इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रात: संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

वर्ष- 43 अंक -85 राजनांदगांव, शनिवार 10 फरवरी 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

छत्तीसगढ़ बजट : आम जनता को राहत, इस बार भी कोई नया टैक्स नहीं, सीएम साय ने कहा - 'हमारा सिर्फ GYAN (ज्ञान) पर फोकस'

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विधानसभा में एक लाख 47 हजार 500 करोड़ का बजट पेश किया। इस बार के बजट की खास बात ये रही कि इसमें पिछले बार की तरह कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने बजट में ज्ञान पर फोकस किया है। सरकार ने इसे रेवेन्यू सरप्लस वाला बजट बताया है। बजट का थीम अमृतकाल की नींव और ग्रेट छत्तीसगढ़ है। साय सरकार ने छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने की घोषणा की है। जिसे 'अमृत काल- छत्तीसगढ़ विजन 2047 नाम दिया गया है।

सीएम साय ने मीडिया से चर्चा में कहा कि यह बजट केवल 5 साल का बजट नहीं है बल्कि छत्तीसगढ़ को कई वर्षों तक आगे ले जाने वाला बजट है। ये विकास की दशा और दिशा सवारने वाला या बजट है। बजट बिना किसी नए कर प्रस्ताव के और मौजूदा करो में बिना कोई वृद्धि वाला है। यह प्रदेश का राजस्व बढ़ाने वाला बजट है। सरकार का विजन डॉक्यूमेंट भी है। बजट में ज्ञान पर फोकस किया गया है, चार शब्दों यानी ज्ञान पर फोकस किया गया है। 'जी' का मतलब है गरीब लोग। बस्तर के गरीब लोग तेंदूपत्ता तोड़ते हैं, इसे हरा सोना भी बोलते हैं। अब तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए 5500 मानक की दर से भुगतान किया जाएगा। रमन सरकार की चरण पादुका योजना फिर से शुरू होगी। बजट में सरगुजा और बस्तर संभाग के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। गरीब भूमिहीन मजदूरों को सरकार सालभर में 10 हजार रुपए देगी। गरीबों के उत्थान के लिए और भी कई सारे प्रावधान तय किए गए हैं। 'वाई' का मतलब है युवा यानी यूथ के लिए इस बजट में बहुत सारे प्रावधान हैं। सीजीपीएससी में जो अनियमित हुई थी, उसकी जांच कराई जाएगी। सीबीआई इस मामले की जांच करेगी। बेरोजगारों के लिए रोजगार की व्यवस्था की जाएगी। 'ए' का मतलब है अन्नदाता यानी किसान हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है। यहां के लोग अधिकांश खेती पर आधारित है, किसानों के लिए भी इस बजट में प्रावधान किया गया है। 2100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की गई। 'एन' का मतलब नारी है। नारी सशक्तिकरण के लिए भी अनेकों बजट में प्रावधान है। मोदी की गारंटी में महतारी बंधन योजना पर बल दिया गया है।

ओपी चौधरी ने पेश किया 1.47 लाख करोड़ का बजट, कहा- खाली मिला था खजाना; अब करेंगे उजाला

10 लाख करोड़ की जीडीपी करने का लक्ष्य

बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, '2047 तक अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट विकास के लिए जनता के सामने प्रस्तुत करेंगे। 2028 तक प्रदेश की जीडीपी को 10 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य है। पांच वर्षों में जीडीपी की रफ्तार दोगुनी करेंगे। ऑनलाइन माध्यम से सरकार के राजस्व में ऐतिहासिक वृद्धि करके दिखाएंगे।'

आर्थिक विकास की दृष्टि से मजबूत होंगे बस्तर-सरगुजा

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, बस्तर और सरगुजा को आर्थिक विकास की दृष्टि से मजबूत करेंगे। हर क्षेत्र की विशेषताओं के अनुरूप विकास सुनिश्चित करेंगे। बस्तर में लघु वन उपज के प्रसंस्करण के लिए उद्योगों की स्थापनी की जाएगी।

आवास योजना के लिए 8369 करोड़ का प्रावधान

ओपी चौधरी ने कहा, आवास योजना के लिए दूसरे अनुपूरक में हमने 3800 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। अब 8369 करोड़ का प्रावधान कर रहे हैं। ओपी चौधरी ने युवाओं के लिए उद्यम क्रांति योजना की घोषणा की है।

साय सरकार के बजट में 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ, कोई नया टैक्स भी नहीं

बजट की बड़ी बातें

0 प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख घरों के निर्माण के लिए वर्ष 2024-25 8,369 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2023-24 द्वितीय अनुपूरक में 3,799 करोड़ रुपये है।

0 महिलाओं को पोषित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महतारी वंदन योजना के तहत प्रति वर्ष 12,000 रुपये सहायता का निर्णय लिया गया है।

0 कृषक उन्नति योजना के तहत 10,000 करोड़ रुपये इससे 24.72 लाख से अधिक किसानों को लाभ होगा। गत वर्ष की तुलना में 02 लाख 30 हजार अधिक किसान लाभान्वित होंगे।

छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय सरकार का पहला बजट पेश किया गया, जिसमें वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शिक्षा स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, पर्यटन सहित बहुत से क्षेत्रों को सौगात दी है। किसानों, महिलाओं, युवाओं और आदिवासी, मजदूरों को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ बजट 2024 में कई बड़े फैसले किए गए हैं। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि अमृतकाल के नींव का बजट व ग्रेट छत्तीसगढ़ की थीम पर आधारित बजट है।

0 इस बजट में आम जनता को राहते पहुंचाते हुए बिजली बिल हाफ योजना का जिक्र किया गया। सरकार ने आम लोगों को राहत देते हुए 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना की घोषणा की।

0 छत्तीसगढ़ बजट 2024 में राहत देते हुए कोई नया कर नहीं लगाया है। ओपी चौधरी ने बताया कि बजट में कोई नया कर प्रस्ताव नहीं है, न ही करो की दरों में वृद्धि का कोई प्रस्ताव है।

0 ग्रामीण घरों को नल से जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के तहत 4,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

0 तेंदूपत्ता संग्राहकों को गत वर्ष 4000 प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 5,500 रु प्रति मानक बोरा भुगतान करने का निर्णय लिया गया है।

0 दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत भूमिहीन मजदूरों को गत वर्ष 7000 प्रति वर्ष से बढ़ाकर 10,000 रुपये वार्षिक भुगतान के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

0 प्रदेशवासियों के लिए श्री रामलला दर्शन के लिए 35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

0 युवा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना के क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया है।

0 राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) के विकास के लिए विस्तृत योजना बनाने का प्रावधान किया गया है।

0 इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ के आयोजन के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

0 राज्य के 5 शक्तिपीठों के विकास की विस्तृत योजना बनाने के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार

पंचायच एवं ग्रामीण विकास के अंतर्गत 17 हजार 539 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें 70 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के लिए 2887 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सड़कों के लिए 841 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कचरा प्रबंधन की योजनाओं के लिए 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

चार नए कृषि एवं उद्यानिकी महाविद्यालय की होगी स्थापना

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, कुनकुरी, रामचंद्रपुर, खडगांव, शीलाफिलि में कृषि एवं उद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी। दुर्ग एंव सरगुजा जिले में कृषि अभियांत्रिकी कार्यालय की स्थापना होगी। 14 विकास खंडों में नवीन नर्सरी खोली जाएंगी। सिंचाई परियोजनाओं के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। केलो परियोजना के तहत रायगढ़ में सिंचाई परियोजनाओं को गति देने के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रवाधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित प्रौद्योगिकी संस्थानों की भांति प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ प्रोद्यौगिकी संस्थानों की स्थापना की जाएगी। पंडित रविशंकर शुक्ला महाविद्यालय रायपुर में स्टार्टअप इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी का उन्नयन किया जाएगा। व्यवसाय मूलकर पाठ्यक्रम के रूप में वाणिज्य अध्ययन शाला प्रारंभ की जाएगी।

डॉ. रमन सिंह ने किया छत्तीसगढ़ विधानसभा के वार्षिक कैलेंडर और डायरी का विमोचन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के वर्ष 2024 के वार्षिक कैलेंडर और डायरी का विमोचन हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा परिसर स्थित अपने कक्ष में आज छत्तीसगढ़ विधान सभा के वर्ष 2024 के वार्षिक कैलेंडर व डायरी का विमोचन किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक धरमलाल कौशिक, विधायक किरण सिंहदेव और विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा मौजूद रहे।

चरण सिंह, नरसिंह राव और स्वामीनाथन को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश के बड़े किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव और कृषि विशेषज्ञ डा. एम एस स्वामीनाथन को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति सचिवालय ने शुक्रवार को यहां जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी।

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी पोस्ट में इस निर्णय को साझा करते हुए कहा , हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था।

प्रधानमंत्री ने कहा, चौधरी चरण सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे। हमारे किसान भाई-बहनों के लिए उनका समर्पण भाव और इमरजेंसी के दौरान लोकतंत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता पूरे देश को प्रेरित करने वाली है। श्री राव को भारत रत्न के लिए चुने जाने का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा, ÷ यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। एक प्रतिष्ठित विद्वान और राजनेता के रूप में, श्री नरसिम्हा राव ने विभिन्न क्षमताओं में भारत की बड़े पैमाने पर सेवा की। उन्हें अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और कई वर्षों तक संसद और विधानसभा सदस्य के रूप में किए गए कार्यों के लिए समान रूप से याद किया जाता है। उनका दूरदर्शी नेतृत्व भारत को आर्थिक रूप से उन्नत बनाने, देश की समृद्धि और विकास के लिए एक ठोस नींव रखने में सहायक था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरसिम्हा राव गारू का कार्यकाल महत्वपूर्ण उपायों द्वारा चिह्नित किया गया था जिसने भारत को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया, जिससे आर्थिक विकास के एक नए युग को बढ़ावा मिला। इसके अलावा, भारत की विदेश नीति, भाषा और शिक्षा क्षेत्रों में उनका योगदान एक ऐसे नेता के रूप में उनकी बहुमुखी विरासत को रेखांकित करता है, जिन्होंने न केवल महत्वपूर्ण परिवर्तनों के माध्यम से भारत को आगे बढ़ाया बल्कि इसकी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को भी समृद्ध किया। श्री मोदी ने कहा, यह बेहद खुशी की बात है कि भारत सरकार कृषि और किसानों के कल्याण में हमारे देश में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित कर रही है। उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भारत को कृषि में आत्मनिर्भरता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारतीय कृषि को आधुनिक बनाने की दिशा में उत्कृष्ट प्रयास किए। हम एक अन्वेषक और संरक्षक के रूप में और कई छात्रों के बीच सीखने और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने वाले उनके अमूल्य काम को भी पहचानते हैं। डॉ. स्वामीनाथन के दूरदर्शी नेतृत्व ने न केवल भारतीय कृषि को बदल दिया है बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा और समृद्धि भी सुनिश्चित की है। वह ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें मैं करीब से जानता था और मैं हमेशा उनकी अंतर्दृष्टि और इनपुट को महत्व देता था।

'योगी आदित्यनाथ अगर कोलकाता आए तो उन्हें...', ममता बनर्जी के मंत्री के बिगड़े बोल

कोलकाता। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के बंगाल अध्यक्ष व ममता सरकार में पुस्तकालय मंत्री सिद्दीकुल्ला चौधरी ने ज्ञानवापी में पूजा-पाठ बंद करने की मांग की है। उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर योगी कोलकाता आए तो उन्हें निकलने नहीं देंगे।

सिद्दीकुल्ला चौधरी ने क्या कुछ कहा ?

सिद्दीकुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि योगी आदित्यनाथ अगर कोलकाता आते हैं, तो वे और उनका संगठन उनका घेराव करेगा। उन्होंने कहा, ज्ञानवापी में चल रहा पूजा पाठ तुरंत बंद होना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो वो इसका बड़ा विरोध करेंगे।

चौधरी पहले भी कई मौके पर विवादों में रह चुके हैं। बीते साल अक्टूबर में इजरायल और हमास के बीच जंग को लेकर मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने फलिस्तीन के समर्थन में कोलकाता में विरोध मार्च भी निकाला था। विरोध मार्च के बाद जमीयत के द्वारा एक रैली भी आयोजित की गई थी जिसमें सिद्दीकुल्ला ने इजरायल का समर्थन करने को लेकर पीएम मोदी पर सवाल उठाया था। इससे पहले 2019 में बांग्लादेश सरकार ने सिद्दीकुल्ला चौधरी को वीजा देने से इनकार कर दिया था। सिद्दीकुल्ला को कुछ व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं में भाग लेने के अलावा बांग्लादेश के सिलहट में एक मदरसे के शताब्दी समारोह में भाग लेना था, लेकिन उन्हें वापस लौटना पड़ा था।

परीक्षाओं में धांधली रोकने के विधेयक पर संसद की मुहर

नयी दिल्ली (वार्ता)। सरकारी सेवाओं की भर्ती परीक्षाओं को अनुचित साधनों से प्रभावित करने वाले अपराधियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक प्रावधानों वाले लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 पर शुक्रवार को संसद की मुहर लग गयी। राज्यसभा में इस विधेयक को संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित किया गया जबकि लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

कार्मिक, जनशिकायत एवं पेंशन मामलों के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने सदन में संक्षिप्त चर्चा के बाद कहा कि इस विधेयक से उच्च परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के हितों की रक्षा होगी और नियत समय के भीतर परिणाम आ सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं पर भरोसा करती है और इसलिए परीक्षा प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा रहा है। सरकार ने कई सरकारी नौकरियों में साक्षात्कार समाप्त किया है जिससे भाई-भतीजावाद, भेदभाव और पक्षपात खत्म हुआ है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत की मजबूत नींव रखने में यह विधेयक मदद करेगा। यह विधेयक सहकारी संघवाद का प्रतीक है। केंद्र किसी भी राज्य को इसे अपनाने के लिए मजबूर नहीं करेगा। किसी भी संबंधित अपराध की जांच उच्च अधिकारी करेगा। जांच में प्रौद्योगिकी का प्रयोग होगा।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक राजनीति से परे है। पेपर लीक होने, प्रश्नपत्र बाहर हल किये जाने, नकल किये जाने आदि प्रकार की घटनाओं का परिणाम परिश्रम करने वाले बच्चों को भुगतना पड़ता है।

इस विधेयक का उद्देश्य पांच सार्वजनिक परीक्षाओं

संघ लोकसेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, रेल भर्ती बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, बैंक कार्मिक चयन संस्थान तथा केन्द्र सरकार के विभागों एवं उनसे संबद्ध कार्यालयों में भर्ती की परीक्षाओं में अनुचित साधनों के उपयोग को रोकना है। अपराध सिद्ध होने पर संबंधित व्यक्ति को तीन से पांच साल तक की कैद और 10 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने कहा कि ऑनलाइन परीक्षा एक धांधली है। इस दिशा में सोचा जाना चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणामों के लिए समय सीमा तय की जानी चाहिए। परीक्षाओं का संचालन करने के लिए कंपनियां तैयार हो गयी है। यह बहुत खराब चलन है जिसका दूरगामी परिणाम होगा।

भारतीय जनता पार्टी के प्रकाश जावडेकर ने कहा कि परीक्षाओं में धांधली और भ्रष्टाचार हो रहा है। यह न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रहा है बल्कि स्कूल में भी हो रहा है। उत्तरप्रदेश में परीक्षा संचालन के लिए कड़े प्रावधान किये हैं। इससे सभी राज्यों को सीख लेना चाहिए। इस विधेयक से परीक्षाओं में धांधली रोकी जा सकेगी। श्री जावडेकर ने कहा कि राजस्थान में 19 बार परीक्षा धांधली के कारण रद्द की गयी है। तेलंगाना में 12 बार परीक्षा नहीं हो पायी क्योंकि हर बार प्रश्न पत्र लीक हो जाता था। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की स्थापना की गयी है। परीक्षा की शुद्धता निश्चित की जानी चाहिए। आम आदमी पार्टी के संदीप कुमार पाठक ने कहा कि यह विधेयक का देरी से लाया गया है। पिछले सात वर्ष में 70 परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों को लीक किया गया है। इसमें माफिया शामिल है। इसमें पूरा तंत्र शामिल है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक हिस्से में (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छत्तीसगढ़ के चार जिला शिक्षा अधिकारी निलंबित, स्कूल शिक्षा मंत्री ने अनियमित खरीदी के आरोप में की कार्रवाई

रायपुर।छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के पांचवें दिन की शुरू हो गई है। सदन की शुरुआत होते ही स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल एक्शन में नजर आए। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के चार जिला शिक्षा अधिकारी निलंबित कर दिया है। राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने विधानसभा में इसकी घोषणा की। विभाग द्वारा बिना टेंडर के 36 करोड़ की खरीदी के कारण सूरजपुर के तत्कालीन डीईओ विनोद राय, मुंगेली के तत्कालीन डीईओ पी.एस. अल्मा, बस्तर के तत्कालीन डीईओ प्रमोद ठाकुर और तत्कालीन डीईओ राजेश मिश्रा निलंबित कर दिया गया। राज्य विधानसभा में धरम लाल कौशिक ने मामला उठाया था।

भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने शिक्षा विभाग द्वारा बिना टेंडर के सीधे क्रय किए जाने का मामला प्रश्नकाल में उठाया। इस मामले में शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने स्वीकार किया कि पांच जिलों में नियमानुसार कोरोनाकाल के समय खरीदी की गई है। इसकी जांच के बाद कार्रवाई की गई है।

उन्होंने सूरजपुर, मुंगेली, बस्तर, बीजापुर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को सस्पेंड करने की घोषणा की।धरमलाल कौशिक ने मामला उठाते हुए आरोप लगाया कि स्कूल शिक्षा विभाग ने भंडार क्रय नियम का पालन नहीं किया गया था। नियम विरूद्ध 50 करोड़ खरीदी की गई थी, उन्होंने उन्होंने इस मामले की विधानसभा की कमेटी से जांच कराए जाने की मांग की। इस पर शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने स्वीकार की कोरोना कल के समय कलेक्टर की अनुमति से यह खरीदी की गई थी। करीब 36 करोड़ रुपए की खरीदी की गई है। उन्होंने यह भी स्वीकार की इसमें भंडारण क्रय नियम का पालन नहीं किया गया था उसकी जांच की गई थी। एक जिला शिक्षा अधिकारी को सस्पेंड किया गया है दो पर जांच चल रही है बचे हुए 4 जिलों के शिक्षा अधिकारी को निलंबित किया गया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा द्वितीय चरण के दूसरे दिन रेवाडीह मानस भवन मैदान में शिविर

राजनांदगांव (दावा)। भारत सरकार की योजनाओं से नागरिकों को जागरूक करने एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के उद्देश्य से निकली द्वितीय चरण की विकसित भारत संकल्प यात्रा आज प्रातः रेवाडीह मानस मैदान पहुची, जहॉं आयोजित शिविर में केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ लेने लोगो में उत्साह का माहौल था। शिविर में राजगामी संपदा न्यास के पूर्व अध्यक्ष संतोष अग्रवाल व रमेश पटेल तथा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष सचिन बघेल अतिथि के रूप में उपस्थित हुये, उन्होंने फिता काट कर छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर माल्यापर्ण कर दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया एवं अग्रवाल ने उपस्थितजनों को विकसित भारत के लिये संकल्प दिलायी।

शिविर में नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, सहित पार्षद शिव वर्मा, पूर्व पार्षद सुश्री आभा तिवारी व श्री मुकेश ध्रुव, पूर्व नामांकित पार्षद श्री सावन वर्मा व संजय लडवन विशेष रूप से उपस्थित थे। अतिथियों ने शिविर में विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया तथा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर बच्चों का अन्नप्राशन किया एवं स्वस्थ बालक व बालिका को पुरूस्कृत भी किया। साथ ही हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्व निधि योजनांतर्गत बैक द्वारा दिये गये ऋृण का चेक, प्रधानमंत्री आवास के लिये प्रमाण पत्र तथा आयुष्यमान कार्ड का वितरण किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता सहित कार्यपालन अभियंता यू.के.रामटेके, प्र.कार्यपालन अभियंता कामना सिंह यादव, सहायक अभियंता प्रणय मेश्राम ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

कार्यक्रम में संतोष अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने व उसका लाभ देने संकल्प यात्रा प्रारंभ की गयी, क्योकि शासकीय योजनाएं तो बहुत बनती है, लेकिन जिसकी जानकारी आप तक नहीं पहुचती। योजनाओं को जन जन तक पहुचाने व लाभ दिलाने मोदी जी ने संकल्प यात्रा निकाली है, ताकि आपको लाभ मिले। उन्होंने कहा कि मोदी जी की सोच है कि विकसित भारत बनायेगे, विकास का वादा निभायेगे, इस यज्ञ में आप की भी थोड़ा सा साथ चाहिये, तभी भारत को फिस से सोने की चिड़िया बनायेगे।

सचिन बघेल ने कहा कि मोदी जी ने निचले स्तर के लोगों को उपर उठाने का कार्य किया है, संकल्प शिविर का मुख्य उद्देश्य केन्द्र की योजनाओं को जनता तक पहुचाना है। इसमें सफलता भी मिल रही है, और लोग उत्साह से शिविर में पहुचकर योजनाओं की जानकारी लेकर लाभ लेने आवेदन कर रहे है। उन्होंने शिवि र के सफल आयोजन के लिये निगम परिवार को धन्यवाद दिया। सुश्री आभा तिवारी ने कहा कि संकल्प शिविर में शक्ति वंदन अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को शासन की योजनाओं का लाभ देना है। महिलाए भारी संख्या में लाभ लेने पहुच रही है और मोदी की गारंटी में मोहर लगा रही है। उन्होंने कहा कि जब तक विकसित भारत का संकल्प पूरा नहीं होगा, तब तक यह अभियान चलता रहेगा। शिविर में वार्डवासियों ने विभिन्न योजनाओं के लिये किया आवेदन

विभिन्न वार्डो के 15 सौ से अधिक लोग शिविर में एवं पोर्टर के माध्यम से उपस्थित हुये और योजनओं का लाभ लेने पंजीयन कराया। प्रधानमंत्री स्व निधि योजना के लिये 42 लोगों ने पंजीयन कराया, आयुष्मान कार्ड के लिये 700 ने, आधार के लिये 20 ने, उज्जवला योजना के लिये 3 ने, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिये 2 ने, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लिये 16 एवं महतारी वंदन योजना के लिये 61 लोगों ने पंजीयन कराया तथा सैकडों लोगों ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी लेकर आवेदन लिये। शिविर में लगभग 300 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर निःशुल्क दवा प्राप्त किया।

मेरी कहानी मेरी जुबानी के माध्यम से 5 लाभार्थियों ने किया अनुभव साझा

केन्द्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों ने मेरी कहानी मेरी जुबानी के पहल के तहत अपने अनुभव साझा किये। जिनमें सरस्वति साहू ने प्रधानमंत्री स्व निधि योजना के तहत रोजगार के लिये ऋृण प्राप्त किया, वही रागनी मोहंति एवं ललिता साहू ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना का लाभ लेकर तथा हेमंत साहू व बंसी नेताम ने टी.बी. मुक्त भारत योजना का लाभ लेकर बीमारी से मुक्त हुया। इसके लिये उन्होनें प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया। इसके अलावा विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में ऑनलाईन क्विज में भी 77 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में नगर निगम के अलावा स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम विभाग, सहित विभिन्न विभागों ने स्टाल लगाकर योजनाओं की जानकारी दिये।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा मोबाईल वेन का स्वागत किया गया, वेन के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के वाचन तथा चलचित्र के माध्यम से विकसित भारत के उद्देश्य की समान्य जानकारी दी गयी। शिविर में मनोहर यादव के छत्तीसगढ़ी कला जत्था ने समा बांधकर शासन की योजनाओं की गीत संगीत के माध्यम से जानकारी दी। शिविर का संचालन महापौर परिषद के सचिव संजीव कुमार मिश्रा ने किया। शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राही, लाभार्थी,वार्डवासी, पत्रकार बंधु तथा अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

पहला कॉलम...

आज दिग्विजय महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव एवं पदक वितरण

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं पदक वितरण का आयोजन आज 10 फरवरी को प्रातः 11 बजे से किया जाएगा। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष पांडे, सांसद राजनांदगांव होंगे।

वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अभिषेक सिंह-पूर्व सांसद राजनांदगांव, मधुसूदन यादव- पूर्व सांसद राजनांदगांव, खूबचंद पारख- पूर्व उपाध्यक्ष 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति राजनांदगांव, संतोष अग्रवाल- पूर्व अध्यक्ष रानी सूर्यमुखी देवी राजगामी सपंदा न्याय राजनांदगांव, रमेश पटेल- पूर्व अध्यक्ष रानी सूर्यमुखी देवी राजगामी संपत्ति ट्रस्ट राजनांदगांव, सचिन बघेल- पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. राजनांदगांव, बलदेव सिंह भाटिया- पूर्व अध्यक्ष (छ.ग.) प्र. क्रिकेट संघ, रायपुर (समाज सेवी), राजेन्द्र गोलछा समाजसेवी राजनांदगांव, किसुन यदु- नेता प्रतिपक्ष नगर निगम, तरूण लहरवानी समाजसेवी राजनांदगांव एवं हर्ष रामटेके समाजसेवी राजनांदगांव उपस्थित होंगे। महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातक उत्तर अंतिम वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक 15 फरवरी को

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक 15 फरवरी 2024 को सुबह 11 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में सभी राजस्व अधिकारियों को आवश्यक जानकारी सहित उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए है।

जिला झेरिया रजक समाज का बैठक 11 फरवरी को

राजनांदगांव (दावा)। आगामी 11 तारीख दिन रविवार को जिला झेरिया रजक समाज राजनांदगांव की बैठक रखी गई है। स्थान पुलिस चौकी चिखली के पीछे रजक सामुदायिक भवन राजनांदगांव। सभी परिक्षेत्र के अध्यक्ष सचिव जिला के समस्त पदाधिकारी का उपस्थिति अनिवार्य है। समय 12:00 बजे। समय का विशेष ध्यान रखें आप लोगों से निवेदन है क्योंकि समय पर आएंगे तो मीटिंग संपन्न होने में सुविधा होगी। उक्त जानकारी जिला अध्यक्ष डॉक्टर एल आर निर्मलकर ने दी।

जिले में महिलाओं में महतारी वंदन योजना का फार्म भरने में दिख रहा उत्साह

राजनांदगांव (दावा)। जिले में शासन की महतारी वंदन योजना अंतर्गत फार्म भरने के लिए महिलाओं में विशेष उत्साह एवं खुशी है। वहीं दूसरी ओर ऑनलाईन भी फार्म भरे जा रहे हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में इस योजना के प्रति महिलाओं में उत्साह दिख रहा है। सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं वार्ड कार्यालय में फार्म उपलब्ध हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में महतारी वंदन योजना के फार्म भरवाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। महिलाओं ने इस योजना का लाभ लेने के लिए आज 25 हजार 746 फार्म भरे हैं। अब तक कुल 1 लाख 22 हजार 432 आवेदन जमा किए गए हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि शासन की महतारी वंदन योजना के प्रति महिलाओं में जागरूकता एवं उत्साह है। जिले में पर्याप्त संख्या में फार्म उपलब्ध हैं। पात्र हितग्राहियों को शासन की इस महती योजना से लाभ मिले इसके लिए लगातार फार्म भराए जा रहे है। उन्होंने कहा कि फार्म भरने में कोई दिक्कत नहीं हो, इसके लिए महिलाओं को मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है और उन्हें आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि शासन की यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हरसंभव कार्य किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार, परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना की शुरूआत की गई है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए की राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जाएगी। योजनांतर्गत आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 फरवरी 2024 है और पात्र महिला हितग्राही को राशि का अंतरण 8 मार्च 2024 को किया जाएगा। महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए विभाग द्वारा www.mahtarivandan.cgstate.gov.in और मोबाइल ऐप जारी किया गया है, इस लिंक और एप्प पर महिलाएं ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के लिए किसी भी तरीके का शुल्क नहीं देना है। इसके अलावा महिलाएं अपने क्षेत्र के आगंनबाड़ी केन्द्र, ग्राम पंचायत सचिव, बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) और वार्ड प्रभारी से संपर्क कर उनके लॉगिन यूजर आईडी से आवेदन कर सकती हैं।

- महतारी वंदन योजना के लिए आज 25 हजार 746 फार्म प्राप्त
- महतारी वंदन योजना के अंतर्गत अब तक जिले की 1 लाख 22 हजार 432 महिलाओं ने किया आवेदन जमा

एनबीआईएस बोरी के बच्चों को एनएसओ में स्वर्ण पदक

राजनांदगांव (दावा)। नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल बोरी में नेशनल साइंस ओलंपियाड 2023-24 की परीक्षा 5 दिसंबर 2023 को आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में शाला के कक्षा पहली से लेकर दसवीं तक के 100 बच्चों द्वारा परीक्षा दिलायी गयी। इस परीक्षा में जिज्ञांसी दास, आराध्या नेताम, यथार्थ सिंह, प्रखर श्रीवास, दिव्यांश गुप्ता, लक्ष्य साहू, अमृत भिमनानी, हितेश चितलांग्या व दिक्षा जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक की प्राप्ति की। इसी तरह नींव पटेल, अर्हम नखत, प्रशिका रामटेके, अरजस ओबेवेजा ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किए। तृतीय स्थान में शाला के स्वर्णिम रामटेके, यशराज वर्मा, अक्षिता रघुवंशी व हितेश वर्मा को कांस्य पदक की प्राप्ति हुई। शाला के डायरेक्टर नीरज बाजपेयी, श्रीमती सोनल बाजपेयी, अकेडमिक डायरेक्टर श्रीमती उर्मिला दीक्षित, प्राचार्या श्रीमती एकता गांधी, कोऑर्डिनेटर अभिजीत मुखर्जी, एडमिन नितिन चौहान द्वारा सभी पदक प्राप्त बच्चों को बधाई दी गई तथा आने वाले प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दी गई । शाला के प्रतियोगी परीक्षा के प्रभारी शिक्षक रमाकांत साहू की इस परीक्षा में विशेष भूमिका रही।

परीक्षा पर्व कार्यशाला का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को परीक्षा पूर्व तनाव मुक्त रखने एवं परीक्षा को पर्व के रूप में लेने के लक्ष्य को लेकर जिला पंचायत सभाकक्ष में परीक्षा पर्व पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री सोनल गुप्ता एवं कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं राष्ट्रीय प्रशिक्षक के रूप में श्री शरद श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री सोनल गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की तुलना किसी अन्य बच्चों से नहीं करनी चाहिए। बच्चों को परीक्षा के दौरान ऐसे तनाव भी नहीं देना चाहिए, जिससे उसके दिल व दिमाग पर भय का वातावरण बन जाए। इससे बच्चों के सभी स्तर पर नुकसानदायक होता है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को किसी भी प्रकार के दबाव व तनाव की स्थिति से नहीं गुजरने दें। अभिभावक बच्चों को अपनी मर्जी एवं अपनी रूचि नहीं बताएं और बच्चों को स्वयं अपने कैरियर के संबंध में निर्णय लेने दें।

प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती रश्मि सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को परीक्षा को त्यौहार की तरह लेकर चलना चाहिए। किसी प्रकार के तनाव बच्चों को नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। राष्ट्रीय प्रशिक्षक श्री शरद श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि खेलने से बच्चों की खेल प्रतिभा का विकास होगा और आगे उसे क्षेत्र में भी बेहतर कर पाएंगे। विद्यार्थियों को किसी अन्य से प्रतिस्पर्धा करने के स्थान पर अपने स्वयं से प्रतियोगिता होनी चाहिए। देश के मूल्यों का और आदर्शों के सम्मान की भावना प्रबल होना चाहिए। कार्यशाला में सहायक संचालक श्रीमती संगीता राव एवं नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, पालक शिक्षक संघ के सदस्य, नगरीय निकाय के शिक्षक, संकुल समन्व्यक तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा श्री मनोज मरकाम ने किया।

विद्यार्थियों को परीक्षा पूर्व तनाव मुक्त रहने एवं परीक्षा को पर्व के रूप मनाने कहा गया

सौभाग्य का नहीं, दुर्भाग्य का वार्षिक समारोह - एनएसयूआई

राजनांदगांव (दावा)। आज एनएसयूआई के सयुंक्त महासचिव राजा यादव के नेतृत्व में दिग्विजय महाविद्यालय मे हो रहे वार्षिकोत्सव समारोह को लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य से मुलाकात कि गई।

एनएसयूआई प्रदेश संयुक्त महासचिव राजा यादव ने कहा कि शहर के शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में वार्षिक समारोह हो रहा है। जिसमे शहर कि प्रथम नागरिक महापौर को नही बुलाया गया है। और गैर निर्वाचित लोगो को अतिथि बनाया गया है। जो कि निंदनीय है। एनएसयूआई इसका विरोध करती है।

एनएसयूआई प्रदेश संयुक्त महासचिव राजा यादव ने कहा कि महाविद्यालय में अगले दिन सीजी पीएससी कि परीक्षा है जो कि बेहद महत्वपूर्ण होती हैं ऐसे में कौन सा कारण है कि इतनी जल्दी बाजी दिखाई जा रही है।। जिसमें छात्र भी असंतुष्ट हैं। यहाँ शासकीय कार्यक्रम होने के बाजूद भी बीजेपी के नेताओ को खुश करने के लिए यहा काम दिग्विजय महाविद्यालय प्रशासन कर रहे हैं। जिला महासचिव टीकेश देशलहरे एवं मेहुल कुमार ने कहा कि दिग्विजय महाविद्यालय के वार्ड के पार्षद को भी वार्षिकोत्सव समारोह के कार्ड मे नाम नही है। यहाँ बीजेपी कि ओच्छी राजनीति को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एनएसयूआई प्रदेश सयुंक्त महासचिव राजा यादव, जिला महासचिव टीकेश देशलहरे, मेहुल कुमार, मिथलेश चंदेल, आयुष सिन्हा, संतोष साहू, संजय सिन्हा, आदि मौजूद रहे।

शहर के प्रथम नागरिक का समारोह में नहीं है नाम - राजा

मजबूत होंगे गांव और ग्रामीण, कृषि, सशक्तिकरण और ढांचागत विकास में गति आएगी - बिसेसर साहू

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 को हासिल करने के लिए हर चुनौती से पार पाने के इरादे जाहिर कर दिए हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता व सांसद प्रतिनिधि बिशेसर दास साहू ने वित्तमंत्री ओपी चौधरी द्वारा पेश किए गए बजट का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की तकरीबन 80 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इस सेक्टर को हर तरह की सुविधाओं, रोजगार और सशक्तिकरण के लिए बजट में प्रावधान किए हैं। निश्चित ही इस बजट के कार्यान्वयन का बड़ा असर छत्तीसगढ़ के विकास में दिखेगा। छत्तीसगढ़ के लिए जारी बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह बजट सर्वजनहिताय की सोच वाला प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुधारने वाला है जिसमें सभी क्षेत्र के सभी वर्गों के हित की बात की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे बड़े विजन के तौर पर देशभर में जलजीवन मिशन जारी है। बजट में इस योजना के लिए 4 हजार 500 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इससे ग्रामीण इलाकों में हर घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने की योजना और भी तेजगति से आगे बढ़ेगी। यह एक बड़ा कदम है। इसी तरह वनक्षेत्र के तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को दोबारा चरण पादुकाएं आबंटित होंगी।

बिसेसर साहू ने कहा कि वित्त मंत्री ने हर क्षेत्र, वर्ग पर फोकस किया है जो कि अपने आप में चुनौतीपूर्ण कार्य है और इसमें वे खरे उतरे हैं। कृषि उन्नति योजना के लिए 10 हजार करोड़ रुपए उन्होंने दिए हैं। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना प्रारंभ कर प्रत्येक हितग्राही परिवारों को 10 हजार रुपए साल दिए जाएंगे। ये मोदी की गारंटी का भी हिस्सा है। कृषि बजट में 33% की वृद्धि हुई है। इससे एग्रीकल्चर सेक्टर में ग्रोथ और कृषकों को बड़ी मदद हासिल होगी। नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा जिसका नतीजा बेहतर उत्पादन के रुप में सामने आएगा। कृषि के सिंचाई को मजबूत करने सिंचाई रकबे के विस्तार के लिए 3000 करोड़ रुपए की बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण एवं महिला सशक्तिकरण पर बजट के विषय में उन्होंने कहा कि स्व सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को रोजगार देने के लिए 561 करोड़ रुपए का प्रावधान वित्त मंत्री ने बजट में किया है। यह उल्लेखनीय है। इसी तरह पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अंतर्गत 70 हजार 539 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसमें 70 प्रतिशत वृद्धि की गई है। सरकार के इस कदम से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ की 80 प्रतिशत आबादी वाले इलाके में आधारभूत संरचना, मूलभूत सुविधाओं पर अधिक खर्च होगा और उन्हें इसका लाभ मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार हेतु 2887 करोड़ खर्च करने की तैयारी है यह भी एक बड़ा कदम है। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद के लिए नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश के 22 स्थान में लाइब्रेरी बनाई जाएगी। आवास योजना के लिए दूसरे अनुपूरक में 3800 करोड़ के बाद अब 8369 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इससे हर आवासहीन परिवार को नया घर मिल सकेगा। प्रदेश की सड़कों के लिए 841 करोड़ का प्रावधान किया जाना भी प्रशंसनीय है।

रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट कैम्प 13 फरवरी को

राजनांदगांव (दावा)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र राजनांदगांव में 13 फरवरी 2024 को सुबह 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। प्लेसमेंट कैम्प में टेक्नोटॉस्क बिजनेस साल्यूशन प्रायवेट लिमिटेड टेड़ेसरा जिला राजनांदगांव द्वारा पुरूष अभ्यर्थियों के लिए कस्टमर सपोर्ट एसोसिएट के 200 पदों पर भर्ती की जाएगी।

शुभांक

अनुमानित

बी. के
2-3-9
189-8 700-7
राजधानी
2-5-8
359-7 129-2

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

कार्यालय ग्राम पंचायत, सलोदी

// निविदा आमंत्रण सूचना //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि ग्राम पंचायत में वाटर कुलर क्रय 1 नग, प्रा.शाला भवन सलोदी हेतु 1 नग वाटर कुलर, ग्राम पंचायत में डस्टबिन क्रय, आश्रित ग्राम छपारा हेतु डस्टबिन क्रय करने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। संबंधित फर्मो से अपनी निविदा दरें सीलबंद लिफाफे मे निविदा सूचना प्रकाशन से 3 (तीन) दिनों के अंदर 12 फरवरी तक प्रस्तुत करें।

टीप: निविदा से संबंधित नियम व शर्ते कार्यालय के सूचना पटल में देखी जा सकती है।

सचिव ग्राम पंचायत सलोदी   सरपंच ग्राम पंचायत सलोदी

dts श्री कृष्णा (एयरकुल) में
रोजाना 4 खेलों में
समय : 12, 3, 6 व 9 बजे
बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।
मनोज राजपूत फिल्मस प्रस्तुत
गांव के जीरो शहर मा हीरो
(छत्तीसगढ़ी भाषा में)
कलाकार - मनोज राजपूत, इशिका यादव, किशानी घोष, धर्मेन्द्र चौबे, संजय महानंद आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

SILVER SCREEN Multiplex
09th Feb to 15th Feb 2024

Teri Baaton Main Aisa Uljha Jiya - 12:30,03:15,03:30,06:30,09:15 & 09:30 pm
Eagle (Hindi)- 06:15 pm
Gaon Ke Zero Sahar Ma Hero (Chhattisgarhi)- 12:15 pm
Fighter - 12:00, 03:00, 06:00 and 09:00 pm
Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G.) 8085600200

साय सरकार की पहली बजट में युवा, गरीब, किसान-महिलाओं की बल्ले-बल्ले

400 यूनिट तक बिजली बिल में छूट.... सत्ताधारी दल ने कहा.... राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट

विपक्षी दलों ने बताया निराशाजनक... कहा प्रदेश की उन्नति की दूर-दूर तक नहीं झलक

बसंत पंचमी पर्व के पांच दिन पहले छत्तीसगढ़ प्रदेश के विष्णु देव साय सरकार ने पेपर लेस डिजीटल बजट पेश कर एक नये अध्याय की शुरूआत की है। भाजपा के साय सरकार के वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी ने अपने डिजीटली बजट में जहां एक ओर मोदी जी की गारंटी और सीएम साय की सुशासन की झलक दिखलाया है और युवा गरीब किसानों महिलाओं में आय बढ़ाने व उनका जीवन स्तर उठाने के लिए जो धन राशि के प्रावधान किए है तथा इन्हें सभी वर्गों की साधने की कोशिश की है इससे इन वर्गों का बल्ले-बल्ले होता दिख रहा है। खासकर किसानों को पांच हार्स पावर तक सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त व गरीबों को 400 यूनिट तक बिजली फ्री जैसे लोक लुभावनी व्यवस्था इन वर्गों को आकर्षित करने वाला है। औद्योगिक जगत, व्यवसायियों व मध्यम वर्गीय लोगों के लिए बगैर किसी करारोपण व वृद्धि किए बनाए गए इस बजट में राजनांदगांव क्षेत्र को भी काफी कुछ दिया गया है। इससे सत्ताधारी दल के लोग जहां रामनाम की लूट है... लूट सके तो लूट कह रहे है। वही विपक्षी दलों के लोग इस पेपर लेस बजट को होपलेस व प्रदेश की प्रगति उन्नति की झलक नहीं दिखने वाला बजट बता रहे है। आईए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के वित्तमंत्री ओपी चौधरी के द्वारा पहली बजट के बारे में लोगों की क्या प्रतिक्रिया है इसे जाने।

छत्तीसगढ़ सरकार का झूठ और छल से भरा है बजट- हेमा देशमुख

प्रदेश महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहीं कि यह बजट सर्वहारा वर्ग के लिए छल व धोखेबाजी वाली आंकड़ों का पुलिंदा है। सरकार 500 जन औषधि केंद्र खोलने, युवाओं को 50 प्रतिशत सब्सिडी में ब्याज मुक्त ऋष्टा, बीपीएल परिवार में बालिका के जन्म पर 1.5 लाख रुपए का आश्वासन के साथ-साथ कॉलेज के छात्र-छात्राओं को ट्रैवल एलाउंस और पंचायत स्तर पर डेढ़ लाख रुपए तक युवाओं को तुंहर द्वार में सार्वजनिक सेवा देने की बात कही थी, जिसका बजट में कोई प्रावधान नहीं किया है।

महापौर श्रीमती हेमा देशमुख ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि राज्य सरकार ने युवाओं को रोजगार देने के बात की थी लेकिन यहां पर कोई उल्लेख नहीं है, वही भाजपा के शासन में शराब बंदी की बात की गई थी लेकिन इसका भी बजट में कोई उल्लेख नहीं है, साथ ही साथ पूर्व सरकार की बहुत महत्वपूर्ण योजना नरवा गरवा, घुरवा, बारी को बंद कर महिलाओ को बेरोजगार कर दिया, युवाओं का बेरोजगारी भत्ता बंद कर दिया गया तथा राजीव मितान क्लब के माध्यम से युवा सक्रिय हो रहे थे उन्हें भी बंद कर युवाओं को दिशाहीन कर दिया। इस प्रकार इससे यह साबित हो गया कि मोदी की गारंटी शुरुआती दौर में ही छ.ग. में अपनी दम तोड़ दी है और बजट सिर्फ दिव्यस्वप्न और कोरी कल्पनाओं से भरा हुआ है, गरीब महिलाओं को 500 में गैस देने का प्रावधान भी इस बजट में ना कर भाजपा सरकार ने अपने महिलाओं के प्रति क्रूर व्यवहार को उजागर किया है।

कर्ज मुक्ति राज्य बनाने की दिशा में पहला कदम है यह बजट- सांसद संतोष पांडे

सांसद संतोष पांडे ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के बजट को परिवर्तन और आत्मनिर्भरता के साथ कर्ज के जंजाल में फंसे प्रदेश को मकडजाल से निकलने की ओर पहला कदम बताते हुए प्रशंसा की है। धान खरीदी दर में वृद्धि को क्रांतिकारी निर्णय के साथ ही साथ बजट में आधुनिक कृषि और गैर परंपरागत कृषि को प्रोत्साहन एवं उन्नत कृषि हेतु दस हजार करोड़ के प्रावधान रखने से कृषकों के साथ ही प्रदेश के राजस्व में वृद्धि होगी। खनिज और रायल्टी जैसे सिस्टम को अपने से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगा जिससे प्रदेश का खजाना भरेगा। इसके अतिरिक्त मोदी की गारंटी के तहत प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन , तेंदूपत संग्रह की मजदूरी, भूमिहीन कृषकों के लिए प्रावधान उल्लेखनीय है। संसदीय क्षेत्र के डोंगरगढ़ से कटघोरा रेल लाइन के प्रारंभिक प्रक्रिया हेतु 300 करोड़ का प्रावधान इसलिए महत्वपूर्ण है कि केंद्रीय रेल मंत्रालय द्वारा तीन वर्ष पूर्व 500 करोड़ की राशि छत्तीसगढ़ सरकार को भेजी जा चुकी है किंतु पूर्ववर्ती सरकार की उदासीनता और राज्यांश नहीं देने से कार्यलंबित है, अब रेल लाइन की दिशा में भी गति बढ़ेगी। पूर्ववर्ती सरकार ने छत्तीसगढ़ को कंगाली के कगार पर धकेल दिया है उससे निजात दिलाने का यह पहला प्रयास उत्साहित करने वाला है।

सम्यक लक्ष्य और सटीक क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ का विकास होगा- खूबचंद पारख

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख ने साय सरकार के पहले ऐतिहासिक बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट तकनीकी आधारित रिफॉर्म और सुशासन से तीव्र आर्थिक विकास के लिए जाना जाएगा। श्री पारख ने कहा कि जहां एक और इस बजट में कोई नया कर नहीं है वहीं दूसरी ओर जीडीपी के विकास में 11त्न वृद्धि का अनुमान अपने आप में बजट की सफलता को इंगित करता है। श्री खूबचंद पारख ने कहा कि विगत 5 वर्षों में कांग्रेस की सुस्त और भ्रष्टाचारी नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ बदहाल आर्थिक व्यवस्था से जूझ रहा था, पुनः छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर अग्रसर करने हेतु ठोस नीतियों और आर्थिक आंकड़े के क्रियान्वयन के साथ बजट का प्रस्तुतीकरण जरूरी था ,जो की वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बड़ी सफलता से इसे प्रस्तुत किया श्री पारख ने कहा कि जो प्रदेश अपनी जड़ों और आर्थिक स्थिति के आकलन किए बिना खर्च की नीतियां बनाते हैं, वह कर्जदार होता है इसलिए भूपेश सरकार ने 5 वर्षों में प्रदेश को कर्ज से लाद दिया। और भ्रष्टाचार से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया था, परंतु भारतीय जनता पार्टी की साय सरकार ने प्रतिबद्ध खर्च में 34त्न राशि के साथ सहायता एवं सब्सिडी में अनुदान 41त्न राशि रखते हुए छत्तीसगढ़ की जनता के साथ न्याय किया और सभी वर्ग, सभी क्षेत्र, सभी समाज के आम लोग भी इस बजट से लाभांवांतित होंगे।

श्री खूबचंद पारख ने कहा कि बजट में लोक कला,लोक संस्कृति युवा महिला, किसान एवं मध्यम वर्गीय परिवार का विशेष ध्यान रखा गया है। महतारी वंदन योजना हेतु 3000 करोड़,प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हेतु 841 करोड़ रुपए, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हेतु 1820 करोड़ की योजनाएं, प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु 8369 करोड रुपए की स्वीकृति, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, नोनी सुरक्षा योजना, आंगनवाड़ी योजना, अंब्रेला योजना, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में सैकड़ो योजनाएं, कृषि के क्षेत्र में भी 5 एच पी कृषि पंप के लिए मुक्त बिजली, श्री राम लाल दर्शन के लिए 35 करोड़, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत भूमिहीन मजदूरों के लिए 500 करोड़ का प्रावधान, मोदी की गारंटी के तहत नल जल योजना, तेंदूपत्ता संग्रहको के लिए 5500 प्रति बोरा एवं आदिवासियों के चरण पादुका के लिए 35 करोड़ रुपए, कुपोषण के लिए 209 करोड रुपए, सरकारी कॉलेज के करोड़ो रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। श्री पारख ने कहा कि भाजपा दिल से बजट एवं नीतियां बनाती हैं, आदिवासियों के लिए 35 करोड रुपए की चरण पादुकाएं बजट में शामिल की गई है, साथ ही कुपोषण का भी विशेष ध्यान रखा गया है। भाषा के संवर्धन के लिए छत्तीसगढ़ आदिवासी परिषद का गठन भी किया गया है एवं अधोसंरचना क्षेत्र, ऊर्जा क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सभी प्रकार की योजनाओं का लाभ आम लोगों को मिल सके, इसका पूरा ध्यान रखा गया है। श्री खूबचंद पारख ने जोर देकर कहा कि प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत इस बजट में साय सरकार के सटीक क्रियान्वयन से बजट प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा और सभी क्षेत्रों में विकास होगा, ऐसी आशाएं और संभावनाएं हैं।

बजट में दिखी मोदी की गारंटी को पूरा करने की प्रतिबद्धता- नीलू शर्मा

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नीलू शर्मा ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा आज सदन में प्रस्तुत बजट की प्रशंसा करते हुए इसे मोदी की गारंटी को पूरा करने की प्रतिबद्धता से परिपूर्ण बजट बताते हुए इसका स्वागत किया है । बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नीलू शर्मा ने कहा है कि प्रदेश के विकास के मध्यकालिक और दीर्घकालीक लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ विजन 2047 तैयार करने की दिशा में आज का बजट काफी अहम है। बजट में गरीबों युवाओं किसानों और महिलाओं को एक तरफ सशक्त करने का प्रयास किया गया है वहीं दूसरी ओर तकनीक आधारित सुधारात्मक क्रियाकलापों एवं सुशासन से प्रदेश के बहुमुखी विकास को गति देने का प्रयास किया गया है। सेवा क्षेत्र में नए अवसर तलाशने के साथ-साथ प्रदेश में अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने हेतु निजी निवेश को बढ़ावा देने एवं विकेंद्रीकृत विकास के नए अवसर उत्पन्न करने पर भी बजट में ध्यान केंद्रित किया गया है। महतारी वंदन योजना के प्रावधानों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में अद्भूतपूर्व कदम उठाया गया है वहीं कृषि उन्नति योजना, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना, तेंदूपत्ता संग्रहको को 5500 प्रति मानक बोरा भुगतान, 5 एचपी तक कृषि पंपों के लिए मुफ्त बिजली आपूर्ति से अन्नदाताओं को संबल प्रदान किया गया है। वही नई उद्योग नीति का प्रारूप तैयार करने के लिए, रामलला दर्शन अयोध्याधाम के लिए, राज्य के 5 शक्तिपीठ के विकास के लिए एवं प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में सीआईटी एवं सिम्स स्थापित करने के लिए बजट प्रावधान कर प्रदेश के बहुमुखी विकास की दिशा में एतिहासिक कदम बढ़ाने का काम किया गया है।

छत्तीसगढ़ के चौमुखी विकास के लिए वरदान साबित होगा बजट-अभिषेक सिंह

पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने साय सरकार के पहले बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ के संपूर्ण विकास के लिए रामबाण सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक संस्कृति युवा, महिला, किसान एवं मजदूर वर्ग के लिए यह बजट सभी प्रकार की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जाना जाएगा। इस बजट से छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास होना तय है। अभिषेक सिंह ने कहा कि भाजपा ने 15 वर्ष तक छत्तीसगढ़ के विकास को जो दिशा प्रदान की थी,उस पर कांग्रेस की भूपेश सरकार ने ब्रेक लगा दिया था। विगत 5 वर्षों में भूपेश सरकार ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति का आकलन किए बिना ही नीतियां बनाई और अपने हाथों से ही भ्रष्टाचार कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गर्त में धकेल दिया था। इसलिए इस बजट की बहु प्रतीक्षित संभावनाओं में जिस समझदारी और दूरदर्शिता की अपेक्षा की जा रही थी वह बजट के आने उपरांत सभी परीलक्षित हो रही है की सभी योजनाओं का सम्यक लक्ष्य और सटीक क्रियान्वयन होने से छत्तीसगढ़ का चहूं ओर से विकास होगा और यह अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि अमृत काल में प्रस्तुत बजट छत्तीसगढ़ की विकसित परिकल्पना को सरकार करेगा। उन्होंने बताया कि 5 वर्षों में कांग्रेस ने विश्वसनीयता और प्रशासन से प्रमाणिकता गायब कर दी थी, आज भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ को सशक्त, स्थाई और दूर दृष्टि समाधान वाली योजनाओं को बजट में शामिल कर छत्तीसगढ़ को उच्च मुकाम की ओर ले जाने का प्रयास किया है।

अभिषेक सिंह ने कहा कि महतारी वंदन योजना हेतु 3000 करोड़,प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हेतु 841 करोड़ रुपए, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हेतु 1820 करोड़ की योजनाएं, प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु 8369 करोड रुपए की स्वीकृति, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, नोनी सुरक्षा योजना, आंगनवाड़ी योजना, अंब्रेला योजना, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में सैकड़ो योजनाएं, कृषि के क्षेत्र में भी 5 एच पी कृषि पंप के लिए मुक्त बिजली, श्री राम लाल दर्शन के लिए 35 करोड़, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत भूमिहीन मजदूरों के लिए 500 करोड़ का प्रावधान, मोदी की गारंटी के तहत नल जल योजना, तेंदूपत्ता संग्रहको के लिए 5500 प्रति बोरा एवं आदिवासियों के चरण पादुका के लिए 35 करोड़ रुपए, कुपोषण के लिए 209 करोड रुपए, सरकारी कॉलेज के लिए बजट का प्रावधान किया गया है।

अर्थव्यवस्था के सुधार के साथ सेवा योजनाओं के लिए याद किया जाएगा- पूर्व पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बीच आर्थिक विकास को गति देने के लिए यह बजट अधिकाधिक पूंजीगत व्यय सुनिश्चित करेगा और प्राकर्तिक संसाधनों को सुरक्षित करते हुए अर्थव्यवस्था की मजबूती के साथ सेवा क्षेत्र की संभावनाओं को भी बढ़ाएगा, सरकार की सारी क्षमताओं के अतिरिक्त बजट में निजी निवेश का भी विशेष ध्यान रखना अपने आप में यह बताता है कि ओपी चौधरी जी ने बजट में मौलिकता का पूरा ध्यान रखा है और दूरदर्शिता के साथ उन्होंने बजट बनाया है इसलिए साय सरकार एवं वित्त मंत्री ओ पी चौधरी जी को बजट के सफल क्रियान्वयन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं देते हैं।

राजनांदगांव का भी कायाकल्प होगा- अभिषेक सिंह

पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने कहा कि बजट में राजनांदगांव का भी विशेष ध्यान रखा गया है। नालंदा परिसर के तर्ज पर ऑक्सी रीडिंग जोन बनाया जाएगा। हॉकी स्टेडियम में एस्ट्रो टर्फ का निर्माण किया जाएगा। रानीतराई, धामनसरा, शंकरपुर में हाई स्कूल भवन का निर्माण बजट में शामिल किया गया है। अभिषेक सिंह ने कहा कि राजनांदगांव की सभी सड़कों का कायाकल्प होगा जो सड़कें कांग्रेस शासन में दुर्दशा झेल रही थी, उन सभी जगह पर सड़कों का जाल बिछाया जाएगा। हल्दी सुरगी से अर्जुंदा मार्ग का निर्माण किया जाएगा। अभिषेक सिंह ने बजट पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि दूरगामी परिणामों से परिपूर्ण यह बजट प्रदेश को नई ऊंचाइयों की ओर ले जाएगा।

बजट से उन्नत छत्तीसगढ़ की परिकल्पना होगी साकार- मधुसूदन यादव

छत्तीसगढ़ बजट 2024 की प्रशंसा करते हुए पूर्व सांसद व प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष मधुसुदन यादव ने कहा की हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे की परिकल्पना के साथ यह बजट छत्तीसगढ़ राज्य को विकसित व उन्नत प्रदेश की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाने में सहयोगी सिद्ध होगा। कृषि उन्नति योजना हेतु दस हजार करोड़ रुपये के प्रावधान से प्रदेश के किसानो की तरक्की होगी वहीं अधोसंरचना मद में एक हजार करोड़ से अधिक राशि का प्रावधान करने से पक्की सड़के, रेल लाइन व पुल पुलिया के निर्माण से आर्थिक विकास को गति मिलेगी। राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में ट्रामा सेंटर की स्थापना हेतु दो करोड़ सत्तर लाख के प्रावधान से घायल मरीजो के त्वरित उपचार में अत्यंत सहायता होगी। सेवा, सुधार, सुशासन एवं संकल्पों को पूरा करने वाला यह बजट छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को नए पथ की ओर अग्रसर करेगा। शिक्षा स्वस्थ्य और कृषि के क्षेत्र में बजट प्रावधान से ना सिर्फ आत्मनिर्भरता बढ़ेगी वरन रोजगार और आय के स्रोत में वृद्धि होगी।

वायदे भूली भाजपा, बजट में सिर्फ सब्जबाग दिखाए - कुलबीर छाबड़ा

शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा ने छग भाजपा सरकार के बजट को बोझिल और छत्तीसगढ़ के ग्रामीण तबके को झटका देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि -ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने कई योजनाएं जमीनी स्तर पर लागू की थी। लेकिन भाजपा ने महज सब्ज़बाग दिखाएं हैं।

छाबड़ा ने कहा कि बजट में राजनांदगांव जिले को भी कोई बड़ी उपलब्धि नहीं हासिल हुई है। ये निराशाजनक है क्यूंकि विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी यहां बड़ी बड़ी घोषणाएं की थी। इसके अतिरिक्त बजट में पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं के नाम बदलकर दोहराया गया है इसका श्रेय भाजपा को नहीं मिलना चाहिए। प्रदेश के संविदा, दैनिक वेतन भोगी कर्मियों के नियमितीकरण, बेरोजगारों को भत्ता जैसे मुद्दों पर कोई पहल नहीं की गई है। सस्ते गैस सिलेंडर जैसे वायदों को भी भाजपा ने बजट में भुला दिया। कुल मिलाकर भाजपा सरकार के वित्तमंत्री ओपी चौधरी के इस बजट ने छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता को निराश ही किया है।

शहरी और ग्रामीण ढांचे को मजबूत करने वाला बजट-किशुन यदु

भाजपा की 2.0 सरकार के पहले बजट अमृतकाल, छत्तीसगढ़ विजन 2047 को निगम नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु ने शहरी और ग्रामीण ढांचे को मजबूत करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व वाली सरकार में वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने निकाय क्षेत्र में लोगों की सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर तो दिया ही है इसके अलावा खाद्यान्न, शिक्षा, स्वास्थ्य और दूसरे क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधान भी उल्लेखनीय है। मोदी की गारंटी के साथ ही विकसित छत्तीसगढ़ के उद्देश्य को पूरा करने वाले इस बजट में हर वर्ग के लिए सौगातें हैं।

उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में मेडिकल कॉलेज में ट्रामा सेंटर, सायबर थाना की घोषणा स्वागतयोग्य है। इसके अलावा निकाय क्षेत्र में छोटे घरों को कंप्यूटराईज्ड जांच के माध्यम से 15 दिनों के भीतर भवन निर्माण की अनुमति दी जाने की सुविधा दिए जाने की घोषणा से शहरी लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा। जीआईएस सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के लिए भी बजट में प्रावधान है जिससे निकायों के राजस्व की बढ़ोतरी होगी और कर भुगतान में गड़बड़ी की शिकायतें दूर होगी, पारदर्शिता बढ़ेगी। असंगठित श्रमिकों, असंगठित सफाई कर्मकारों, घरेलू कामकाजी महिलाएं, ठेका मजदूर और हमाल के कल्याण हेतु अटल श्रम शक्ति योजना शुरु किए जाने का निर्णय भी उल्लेखनीय है।

बजट भरोसे के लायक नहीं - धनेश पाटिला

कांग्रेस के पूर्व मंत्री धनेश पाटिला ने बजट पर अपने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय सरकार का बजट प्रदेश वासियों के लिए निराशाजनक है। विशेष तौर से राजनांदगांव जिले के लोगों के लिए डबल इंजन की सरकार से विकास की बात तो कहती है। लेकिन राजनांदगांव जिले को एक बड़े सरकारी उद्योग की दरकार आज तक पूरी नहीं हो पाई है। इनके किसी भी बजट में आंकड़ों और लच्छेदार प्रावधानों के सिवाय कुछ नहीं है। पिछले सारे बजट के नतीजे पर जाए तो आज तक बुनियादी समस्याएं हल नहीं हुई है। सिर्फ योजनाओं के नाम पर खाओ पियो अभियान चलाया गया है।

श्री पाटिला ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का बजट सिर्फ और सिर्फ आंकड़ों का मायाजाल है। वास्तविक धरातल पर इसका लाभ जनता को नहीं मिलने वाला है। यदि लाभ मिलता तो अभी तक बुनियादी समस्याएं कब का हल हो जाती है। 15 साल तक भाजपा की सरकार रही 10 साल से केंद्र में भी भाजपा की सरकार है तब और साथ ही कई राज्यों में बीजेपी की सरकार है। तब आज तक भारत क्यों विकसित नहीं बन सका है।

2047 के विजन को लेकर बनाया गया सर्व हितैषी बजट-सचिन बघेल

जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता सचिन बघेल ने सीएम साय सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत किए बजट को 2047 के विजन को लेकर बनाया गया सर्वजनहितकारी बजट बताया तथा कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी व प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री साय के मंशानुसार बजट का निर्माण किया गया है। जिसमें जीडीपी की चिंता कर पांच लाख करोड़ से बढ़ाकर इसे 10 लाख करोड़ तक ले जाने का उद्‌यम दिखता है। श्री बघेल ने कहा कि एक प्रशासनिक अधिकारी से राजनीतिक क्षेत्र में आकर गरीब किसान युवा महिलाओं की चिंता कर उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा व उन्हें लाख पहुंचाने की नीयत से बजट बनाकर वित्तमंत्री श्री चौधरी ने अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने गरीब किसानों को सिंचाई के लिए 5 एचपी तक मुफ्त बिजली व आमजनों के लिए 400 यूनिट तक निःशुल्क बिजली देने के प्रावधान कर सराहना की और इसे सीएम विष्णुदेव साय का परोपकारी बजट की संज्ञा दी है।

आर्थिक मजबूती के निर्माण का बजट-आकाश

भाजपा के जिला कार्यालय मंत्री आकाश चोपड़ा ने छत्तीसगढ़ के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ राज्य को एक नई ऊंचाई प्रदान करने वाला बजट है। आकाश ने कहा कि नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने के उद्देश्य से जारी किये गए इस बजट में ना सिर्फ सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है बल्कि आने वाले पांच वर्षों में प्रदेश को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। विकसित छत्तीसगढ़ का सपना देखने वाले प्रदेश के हर नागरिक के लिए यह बजट सुशासन का बजट है। आकाश ने कहा कि बजट में राजनांदगांव का भी विशेष ध्यान रखते हुए जिले में सायबर सेल थानों की स्थापना व मेडिकल कालेज में ट्रामा सेंटर की घोषणा इसका प्रमुख उदाहरण है।

जनता के विश्वास को तोड़ने वाला बजट-भोलाराम साहू

खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ने छत्तीसगढ़ के बजट में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट जनता के विश्वास को तोड़ने वाली बजट है। यह बजट छत्तीसगढ़ राज्य को पीछे धकेल दिया है, छत्तीसगढ़ राज्य के लोगों के लिए लोक लुभावाने घोषणाएं की गई है। सभी वर्गों के लोगों को ठगने का काम किया जा रहा है। इस बजट में लोगों को केवल निराशा हाथ लगी है। किसानों को छलने का काम करने वाली सरकार है, मोदी की गारंटी में किसानों को अब तक उनके खाते में 3100 की राशि नहीं मिल पाई है।

विकसित राज्य की ओर बढ़ने वाला बजट -अशोक चौधरी

जिले के वरिष्ठ किसान नेता अशोक चौधरी ने सीएम साय सरकार के इस बजट को गरीब किसान युवा महिलाए हितैषी बजट बताते हुए कहा कि यह बजट विकसित राज्य की ओर बढ़ने वाला बजट है। वित्तमंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत इस बजट को उन्होंने साय सरकार की यह परोपकारी बजट कहा है जो इस बजट में दिखता भी है। श्री चौधरी ने बजट में किसानों को पांच एचपी तक सिंचाई के लिए निःशुल्क बिजली व आम जनता गरीब जनों के लिए 400 यूनिट तक बिजली बिल माफ गरीबों को राहत देने वाला है। श्री चौधरी ने कहा कि वित्त मंत्री ने हमारे विधायक व पूर्व सीएम तथा वर्तमान वि.सा. अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के क्षेत्र राजनांदगांव का विशेष ध्यान रखा है। यहां के मेडिकल कालेज के लिए ट्रामा सेन्टर की व्यवस्था तथा जिले की धर्म नगरी डोंगरगढ़ की पायलट प्रोजेक्ट तथा शक्तिपीठ योजना में शामिल करने सहित कटघोरा से यहां तक रेल राइन का विस्तार जिले वासियों के प्रति प्यार को दर्शाताा है श्री चौधरी ने 60 करोड़ रूपए से किसान मित्र वृक्ष योजना की भी सराहना की और भूमिहर किसान, मजदूर, दिव्यांगजनों को दीनदयाल उपाध्याय योजना से उपकृत करने को भी परोपकारी वाला कदम बताया तथा कहा कि बजट में राम नाम की लूट...लूट सके तो लूट की ध्वनित हो रही है।

छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाई देने वाली बजट - गीता घासी साहू

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने छत्तीसगढ़ के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ राज्य को एक नई ऊंचाई प्रदान करने वाली बजट है। विकसित छत्तीसगढ़ का सपना देखने वाले प्रदेश के हर नागरिक के लिए यह बजट सुशासन का बजट है। बजट में सभी वर्गों के ध्यान रखा गया है। मोदी की गारंटी के योजनाओं को छत्तीसगढ़ सरकार ने कैबिनेट बैठक में शामिल करते हुए मोदी जी की गारंटी की योजनाओं को शामिल किए गए हैं इससे छत्तीसगढ़ विकसित होगा। ग्राम पंचायत को सशक्तिकरण बनाने के लिए महिला सदन बनाने के लिए 50 करोड रुपए प्रावधान किया गया है यह बजट में जिससे छत्तीसगढ़ में ग्राम पंचायत विकसित होगी।

छत्तीसगढ़ सरकार ने पेश किया मोदी की गारंटी का पहला बजट - कमल सोनी

जिला भाजपा पूर्व सोशल मीडिया प्रभारी कमल सोनी ने छत्तीसगढ़ की वार्षिक बजट 2024 - 25 पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा पेश किया साय सरकार का मोदी की गारंटी का पहला बजट। इस बजट को पेश करने से पहले केंद्र के नरेंद्र मोदी सरकार की विकसित भारत का संकल्प को ध्यान में रखकर सबके हित को शामिल करते हुए बनाया गया है। श्री सोनी ने आगे कहा कि उक्त बजट में गांव गरीब युवा और किसानो का विशेष ध्यान रखा गया है। श्री रामलला दर्शन योजना के लिए 35 करोड़ का प्रावधान, स्व सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को रोजगार देने के लिए 561 करोड रुपए का प्रावधान, आवास योजना के लिए 8369 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं। कृषि उन्नति योजना के लिए 10 हजार करोड़ का प्रावधान, नल जल योजना के लिए 4500 करोड़ रुपए का प्रावधान, युवाओं के लिए छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना, स्व सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को रोजगार देने के लिए 561 करोड रुपए का प्रावधान, महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को ?12000 वार्षिक दिया जाएगा, 117 करोड़ रुपए का प्रावधान, स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 1500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

मोदी की गारंटी का खुल गया पोल बजट निकला शंख ढपोल - शाहिद भाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं राजनांदगांव लोकसभा के प्रभारी शाहिद भाई ने छग सरकार के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी की गारंटी की पूरी पोल खोलते हुए यह बजट शंख ढपोल ही है, जैसे छोटे एवं सीमांत किसानों एवं खेतिहर मजदूरों के बच्चों को सरकारी स्कूल-कॉलेज में की पढ़ाई करने पर पीजी तक 2 लाख तक छात्रवृत्ति प्रदान करने की कोई बात इसमें नहीं की गई है। छात्राओं को पीजी तक मुक्त शिक्षा का भी प्रावधान इस बजट में कहीं नहीं है। गरीब परिवारों को 500 रूपये में गैस सिलेंडर देने का प्रावधान भी नहीं किया है। पंचायत एवं वार्ड स्तर तक डेढ़ लाख युवाओं की भर्ती हेतु कोई प्रावधान नहीं है। कॉलेज के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क लैपटॉप टैबलेट प्रदान करने की गारंटी भी दम तोड़ दी है। प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान डीए देने, पंचायत सचिवों को नियमित कर उनका बकाया एरियस, मितानिनों के मानदेय में 50 प्रतिशत वृद्धि जैसे जनहितकारी गारंटी पर कोई प्रावधान न कर छग की भाजपा सरकार ने अपने जनविरोधी होने का और मोदी की गारंटी को जुमला साबित करने को प्रमाणित किया है।

छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्यों में शामिल होगा- रविंद्र वैष्णव

भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री रविंद्र वैष्णव ने साय सरकार के प्रस्तुत बजट की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस बजट से छत्तीसगढ़ के विकास को नहीं रफ्तार मिलेगी, छत्तीसगढ़ के ढाई करोड़ लोगों के सपने साकार होंगे। इस बजट में, छत्तीसगढ़ में टेक्नोलॉजी का उपयोग, बच्चों की पढ़ाई के लिए नालंदा जैसे 22 संस्थान, 160 आईटीआई उन्नयन,छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान, बस्तर विश्वविद्यालय में नवीन शिक्षण विभाग की स्थापना। सूरजपुर, गरियाबंद कोंडागांव, सुकमा, बलरामपुर में जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना, साइंस सिटी, एस्ट्रो पार्क, एग्रो बिजनेस कॉलेज, छत्तीसगढ़ी क्रीडा प्रोत्साहन हेतु सॉफ्टवेयर का निर्माण जैसे कई प्रावधान बजट में किए गए हैं, जिससे छत्तीसगढ़ के विकास को तेज गति प्रदान होगी और छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

मोदी की गारंटी से कोसों दूर छग. का बजट-सूर्यकांत जैन

छत्तीसगढ़ सरकार का पहला बजट ही जनता से किए हुए वादों को धता बताता हुआ निकला। चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने मोदी की गारंटी की बात कहकर बड़े-बड़े वादे किए जो की महज एक जुमला निकला, जिसमें किसानों को 3100 रुपए एक मुश्त देने का वादा किया गया। रोजगार देने की बात बजट में दूर-दूर तक दिखाई नहीं दी। 500 रूपये में गैस सिलेंडर की बात का भी बजट में प्रावधान नहीं किया गया। शहर के साथ-साथ वनांचल को भी छलते हुए भाजपा सरकार ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रूपये मानक दर पर खरीदी की बात कही थी, जिसका कोई जिक्र इस बजट में नहीं किया गया। इस तरह सिर्फ बातों के मायाजाल में फंसाकर प्रस्तुत यह बजट एक छलावा मात्र है। अतः यह बजट बेरोजगार, युवाओं, किसानों एवं छात्रों के साथ श्रमिकों की अनदेखी करता हुआ दिशाहीन बजट है।

अनमोल दावा

"जब तक तुम दौड़ने का साहस नहीं जुटाओगे तब तक तुम्हारे लिए प्रतिस्पर्धा में जीतना सदैव असंभव बना रहेगा।

चुनाव आयोग का फैसला और एनसीपी पर पहला हक, पार्टी को जमीन पर खड़ा करने वाले की अहमियत

कुछ समय पहले शिवसेना में बंटवारे के संदर्भ में भी चुनाव आयोग ने लगभग इसी तरह का फैसला दिया था, जिसमें एकनाथ शिंदे के गुट को असली शिवसेना करार दिया गया। इस पर उद्धव ठाकरे और उनके सहयोगियों ने निराशा जताई थीअब यह स्पष्ट हो गया है कि महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी राकांपा आधिकारिक रूप से किस गुट के हिस्से रहेगी, मगर प्रतिस्पर्धी समूहों के बीच राजनीतिक दांवपेच और खींचतान के समांतर यह सवाल भी उठा है कि किसी पार्टी पर अपना पक्ष बदलने वाले समूह का नियंत्रण हो या उस दल के बचे हुए मूल सदस्यों का। गौरतलब है कि अब शरद पवार गुट की पार्टी का नया नाम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) होगा और चुनाव आयोग ने इसकी मंजूरी दे दी है।

हालांकि चुनाव आयोग ने लंबे विचार-विमर्श के बाद अपने फैसले में शरद पवार से अलग हुए अजित पवार और उनके गुट को ही असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी करार दिया था और उसका चुनाव चिह्न भी उसे ही सौंपा था। इसलिए माना जा सकता है कि आयोग के पास ऐसे निर्णय तक पहुंचने के अपने आधार होंगे। सवाल यह है कि जिन लोगों ने काफी मेहनत से कोई पार्टी खड़ी की होती है, उसे एक विचारधारात्मक पहचान दिया होता है, क्या उनके पक्ष की कोई अहमियत नहीं होती है? इस तरह के मामलों में चुनाव आयोग के फैसलों पर भी संबंधित गुट की ओर से अंगुली उठाई जाती है।

दरअसल, कुछ समय पहले शिवसेना में बंटवारे के संदर्भ में भी चुनाव आयोग ने लगभग इसी तरह का फैसला दिया था, जिसमें एकनाथ शिंदे के गुट को असली शिवसेना करार दिया गया। इस पर उद्धव ठाकरे और उनके सहयोगियों ने निराशा जताई थी। देश की राजनीति में दल-बदल एक आम चलन बन चुका है और लोकतंत्र में इसे अपने-अपने चुनाव के अधिकार के तौर पर देखा जाता है। हालांकि ऐसे मामलों में अक्सर सैद्धांतिक सवाल उठते रहते हैं, मगर शायद ही कभी इनका असर पड़ता है।

बाद में संख्या बल या अन्य किसी तकनीकी आधार पर पार्टी से निकले समूह को ही वास्तविक दल घोषित कर दिया जाता है। फिर बाकी बचे हुए उन सदस्यों के सामने नए सिरे से राजनीतिक अस्तित्व हासिल करने की चुनौती होती है, जिन्होंने एक समय में पार्टी को खड़ा किया होता है। यह एक विचित्र विडंबना है, जिसमें चुनाव आयोग के एक फैसले के साथ ही विचारधारा और नेतृत्व की पहचान से भावनात्मक रूप से जुड़े जनसमूह के सामने कई बार द्वंद्व की स्थिति खड़ी हो जाती है।

हॉकी नर्सरी के गुरूजनों की स्मृतियां विशेष

अरूण कुमार गौतम (पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी)

1952 में मद्रास में आयोजित सिनीयर राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश हॉकी टीम की ओर से जब अरूण कुमार गौतम ने हिस्सा लिया तब उनकी उम्र मात्र 14 वर्ष थी आपके कलात्मक प्रदर्शन और उत्कृष्ट खेल को देखते हुए बेबी पैंथर की उपाधि से आपको वहां सम्मानित किया गया था। सन् 1959 में उन्होंने सागर विश्वविद्यालय की हॉकी टीम ओर से अंर्तविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भाग लिया था। 1960 में पुनः मध्यप्रदेश की ओर से कलकत्ता में आयोजित राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। भिलाई में मलेशिया की हॉकी टीम के विरुद्ध मैच में भी आप ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। आप लेफ्ट आऊट और सेंटर हाफ के अपने समय के माने हुए खिलाड़ी थे। आप ने लालबाग स्पोर्ट्स क्लब की हॉकी टीम की ओर से देश के अनेक प्रसिद्ध टूर्नामेंट्स जैसे आगा खां गोल्ड कप टूर्नामेंट मुंबई, सिंधिया गोल्ड का ग्वालियर, औबेदुल्ला गोल्ड कप भोपाल, दमोह ,इटारसी, बालाघाट, सिवनी, जबलपुर,गोल्ड रायपुर,में भाग लिया था। आपके कुशल मार्गदर्शन और प्रशिक्षण में कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर राजनांदगांव का नाम रोशन किया और कई खिलाड़ियों ने देश की ख्याति प्राप्त डिपार्टमेंटल टीमों में नौकरी प्राप्त की जैसे बीएसएफ, इंडियन नेवी ,एयर इंडिया, भिलाई स्टील प्लांट , मध्य प्रदेश पुलिस, बैंक, इंडियन रेलवे आदि जगहों में नौकरी प्राप्त की आपने राजनांदगांव के हॉकी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देकर राजनांदगांव को हॉकी की नर्सरी के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।

अनंत गौतम (पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी)

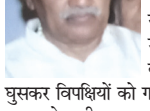

लालबाग हॉकी क्लब के खिलाड़ी अनंत गौतम फारवर्ड लाईन में सेंटर फॉरवर्ड, राईट-इन लेफ्ट-इन और राईट-आउट पोजीशन में समान रूप से खेलते थे। उनकी प्रमुख खासियत उनका स्टिक वर्क और बाल पर कंट्रोल था। वे %डी% में तेजी से घुसकर विपक्षियों को गड़बड़ा देते थे। दुर्ग जिले व लालबाग क्लब से राष्ट्रीय स्तर की कई हॉकी प्रतियोगिता भाग ले चुके अनंत गौतम ने लालबाग क्लब की ओर से देश के अनेक प्रसिद्ध टूर्नामेंट्स भाग लेकर शहर को गौरवान्वित किया जैसे -आगा खां गोल्ड कप मुंबई ,पी.डी कुंडू स्वामी गोल्ड कप टूर्नामेंट कोविलपट्टी, बेटन कप कलकत्ता, मद्रास गोल्ड कप, ओबेदुल्ला गोल्ड कप भोपाल, कटनी, दमोह, इटारसी, बालाघाट, शिवनी, जबलपुर, रायपुर आदि जगहों में हिस्सा ले चुके हैं। सन 1960 में ग्वालियर में सिंधिया गोल्ड कप के फाइनल में उनको सर्वोत्कृष्ट(सर्वश्रेष्ठ) प्रदर्शन का विशेष पुरस्कार दिया गया था आप खिलाड़ी के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध चित्रकार भी थे आपके द्वारा बनाई गई पेंटिंग और पोर्ट्रेट देश ही नहीं विदेशों में भी गई शहर के कई सैकड़ो बालक- बालिका आपसे प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता जीत चुके हैं और अपनी कला का जौहर मनवा चुके हैं।

नंदकुमार गौतम (पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी)

लालबाग स्पोर्ट्स क्लब की ओर से खेलते हुए कई राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में अपना उत्कृष्ट कलात्मक प्रदर्शन देकर शहर की हॉकी को अलग पहचान दिलवाई आपने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से नांदगांव शहर का नाम रोशन किया देश के कई शहरों की हॉकी प्रतियोगिता में आपने हिस्सा लिया। जैसे - सिंधिया गोल्ड कप ग्वालियर, बैटन कप कलकत्ता ,उबैदुल्लाह गोल्ड का भोपाल, दमोह, कटनी ,बालाघाट, इटारसी, जबलपुर, सिवनी, रायपुर, साथ ही उन्होंने स्टेट हाई स्कूल और महारानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला स्कूल मैदान में लड़कियों को हॉकी प्रशिक्षण देकर प्रोत्साहित किया और राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर के खिलाडी के रूप में उनको एक पहचान दिलाई। जिसमें ओलंपियन रेणुका यादव ने भी आप से प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई, पुष्पा पिस्दा, बबली, ममता, देविका, रानी आदि महिला खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी की नर्सरी के रूप में शहर को एक नई पहचान दिलाई।

चंद्रकुमार सिंह गौतम (बाबूभाई)

पूर्व ओलंपियन एअरमैन बेस्टियन व गंगाराम के साथ लालबाग क्लब के अग्रिम पंक्ति में स्थान ग्रहण करने वाले श्री बाबूभाई गौतम ने सारंगढ़ दरबार टूर्नामेंट, रायपुर, बेटन कप कलकत्ता, 1949 गोल्ड कप मुंबई, सिंधिया गोल्ड कप ग्वालियर, गोरखपुर, सिवनी, दमोह, कटनी एवं भोपाल की हॉकी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी टीम को विजय दिलायी। नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर हॉकी के स्तर को ऊंचा उठाया आप लालबाग स्पोर्ट्स क्लब के प्रमुख स्तंभ रहे, लेफ्ट इन के खिलाड़ी थे। आप बैडमिंटन और टेबल टेनिस के भी एक अच्छे खिलाड़ी रहे हैं आपके मार्गदर्शन में कई खिलाड़ियों ने बैडमिंटन और टेबल टेनिस में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया है।

80वीं महंत राजा सर्वेश्वरदास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता

भूतपूर्व हॉकी खिलाड़ी गौतम ब्रदर्स की स्मृति में हॉकी प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मनीष गौतम व कमलेश गौतम द्वारा प्रदत

हॉकी प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार 11000 नगद एवं आकर्षक ट्रॉफी सेल अकादमी के कुशल यादव को प्रदान की गई राजनंदगांव- स्वर्गीय गौतम ब्रदर्स के कुशल मार्गदर्शन और प्रशिक्षण में कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हॉकी की नर्सरी के रूप में राजनांदगांव को पहचान दिलाई। राजनांदगांव के भूतपूर्व हॉकी खिलाड़ी गौतम ब्रदर्स की स्मृति में हॉकी प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार विगत 10 वर्षों से दिया जा रहा है भूतपूर्व हॉकी खिलाड़ी आप चारों सगे भाईयों क्रमशः चंद्र कुमार गौतम, नंदकुमार गौतम, अरुण कुमार गौतम, और अनंत कुमार गौतम राजनांदगांव के राजा साहब की हॉकी टीम लालबाग स्पोर्ट्स क्लब से खेला करते थे आप क्रमशः अग्रिम पंक्ति और मध्य पंक्ति के खिलाड़ी थे आप चारों सगे भाईयो ने लाल बाग स्पोर्ट्स क्लब से देश की ख्याति प्राप्त गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट में भाग लेकर उत्कृष्ट कलात्मक खेल का प्रदर्शन कर शहर को गौरवनित किया आपके द्वारा प्रशिक्षित सैकड़ो खिलाड़ियों ने राजनांदगांव की हॉकी को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक नई पहचान दिलाई और राजनांदगांव को हॉकी की नर्सरी बनाने में आप लोगों का विशेष योगदान रहा है।

गौतम ब्रदर्स की हॉकी के प्रति उनके योगदान की स्मृतियां हृदय पटल पर अंकित है। इन स्मृतियों को संजोए रखने हेतु उनके पुत्र पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मनीष गौतम व कमलेश गौतम द्वारा विगत 10 वर्षों से महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड 11000 नगद और ट्रॉफी भूतपूर्व हॉकी खिलाड़ी गौतम ब्रदर्स की स्मृति में अनवरत प्रदान की जा रही है।

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम 62: गुरु के साथ राम-लक्ष्मण हिमालय क्षेत्र की ओर

डॉ.योगेंद्र कुमार पांडेय

उधर हिमालय क्षेत्र में अपने योग बल से गौतम ऋषि ने ज्ञात कर लिया कि अहल्या की तपस्या पूरी हो चुकी है और श्री राम उनके आश्रम पर पहुंच चुके हैं। गौतम ऋषि साधना के उच्च स्तर पर हैं। अपने योग बल से वे आश्रम में तत्काल प्रकट हुए और उन्होंने विश्वामित्र जी तथा श्री राम को धन्यवाद दिया। गौतम ऋषि ने अहल्या से भेंट की। श्री राम लक्ष्मण तथा विश्वामित्र जी ने महर्षि गौतम तथा अहल्या का आतिथ्य स्वीकार किया। इसके बाद उन्होंने जनकपुर की ओर प्रस्थान किया।

राम और लक्ष्मण के मिथिलापुरी जाने का एक बड़ा आकर्षण भगवान शिव का वह धनुष है,जिसे दोनों भाई देखना चाहते हैं। गुरु विश्वामित्र के साथ दोनों भाइयों ने ईशान कोण की ओर प्रस्थान किया है।कुछ कोस आगे चलने पर विशाल हिमालय की पर्वत श्रृंखलाएं दिखाई देने लगती हैं। मार्ग में घने वन भी हैं।लंबी दूरी की पैदल यात्रा तय करने के बाद भी दोनों भाइयों के मुख पर थकान की कोई रेख नहीं है। गुरु विश्वामित्र दोनों भाइयों के साथ वार्तालाप करते हुए उन्हें श्रेष्ठ आध्यात्मिक और नैतिक ज्ञान प्रदान कर रहे हैं। दोनों भाई हिमालय के प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

''राम भैया देखिए! हिमालय पर्वत ऐसा दिखाई दे रहा है जैसे रजत कणों से बना हुआ कोई विशाल राजप्रासाद हो।जिसका विस्तार क्षितिज के एक छोर से लेकर दूसरे छोर तक है। जिसके कुछ शिखर आकाश में इतने ऊंचे तक गए हैं कि श्वेत बादलों में विलीन हो गए हैं।'' लक्ष्मण जी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा।

अभी हिमालय बहुत दूर है और अभी हिमालय की तराई का क्षेत्र शुरू ही हुआ है, लेकिन हिमालय का भव्य रूप मन को मोह लेने वाला है। श्री राम ने लक्ष्मण से कहा, ''हिमालय के ये शिखर आकाश में ऊंचा उठते हुए सीधे स्वर्ग लोक को ही स्पर्श कर रहे होंगे लक्ष्मण, जहां देवगण निवास करते हैं। यही है देवलोक का प्रवेश द्वार।''

गुरु विश्वामित्र ने कहा, ''अनंत काल से यह हिमालय श्रेष्ठ योगियों और तपस्वियों की साधना भूमि भी है राम - लक्ष्मण! स्वयं देवाधिदेव महादेव इस हिमालय क्षेत्र में कैलाश पर्वत के उच्च शिखर पर निवास करते हैं।''

''अद्भुत! कितना अलौकिक वातावरण होगा इस क्षेत्र में!'' श्री राम ने कहा।

(भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है। संस्कृत और हिंदी साहित्य से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं। इस लेखक ने एक साधारण भक्त की कल्पनादृष्टि से मूल कथा सूत्रों के रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

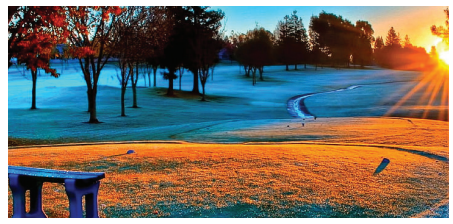

कविता

प्राण बचाएँ

यातायात के नियमों के परिपालन का माह
सड़क पर चलते हो तो होता है जीवन-मृत्यु
न चलाएँ तेज गति से वाहन
धीरज रखें, शांत रहें संयमित रहें।
न हो तेज गति, न हो अहं, न हो चालान,
वाहनों में न रखें मादक-नशीली पदार्थ,
न हो ट्रैफिक जाम, न हो दुर्घटना, बचे प्राण,
हेलमेट लगाएँ, पुलिस से पुष्प-गुच्छ पाएं।
आँख मूँद कर न चलाएँ वाहन, सतर्क रहें,
एक हाथ में मोबाईल, कान में लगाए टेढ़ा सिर,
मौत को आमंत्रण, क्या फिर मानव जन्म पावोगे?
किनारे से गाड़ी- सड़क पर, पीछे देखकर लाएँ,
दुपहिया वाहन वाले, रखें यह ध्यान।
राहगीरों! हो जाएं सावधान!
शहर का चका चौंध और होर्डिंग्स न देखें,
कहीं इधर, तो कहीं उधर, तो कहीं बीचों बीच का नोक।
सम्हलकर चलें, वाहनों को देखें,
वाहन वालों, नशा में वाहन न चलाएँ,
जनहित, जन कल्याण, जन आकांक्षाओं का रखें ध्यान,
किसी की जानस बचाएँ अपनी जान बचाएँ।
फिर नहीं मिलेगा तुम्हें, ये देश ये राज्य, ये शहर ये गाँव,
मृत्यु के बाद तुम कहाँ जाओगे क्या जन्म लोगे, कोई नहीं जानता?
जीना है तो स्वभिमान से जीओ, फिर यह विश्व नहीं देख पाओगें।
देख लो यह पृथ्वी, सूर्य, चंद्रमा, तारे-सितारे,
देख लो दूर दर्शन में भारत का अन्तरिक्ष अभियान चंद्रमा में,
देख लें दिन और रात का होना, उठ जाएँ सुबह नई सोंच के साथ।
करें पुलिस को सहयोग, पालन करें यातायात के नियमों का।

देवेन्द्र महोबे, खैरागढ़

कविता

"मुझे याद मत करना"

जन्म क्यूँ लिया, मुझे याद मत करना।
कोई भी पर्व में, मुझे याद मत करना।
दुनिया में रहुँ या न रहुँ, मुझे याद मत करना।
दुनिया से जाने के बाद, मुझे याद मत करना।
हमेशा सुनी रह गई कलाई, मुझे याद मत करना।
हमारा दिया दान दीप, मुझे याद मत करना।
देश का सिपाही था, मुझे याद मत करना।
सरहद में शहीद हो गया, मुझे याद मत करना।
हमारी मूर्ति बनाकर, मुझे याद मत करना।
अखबार में छापकर, मुझे याद मत करना।
रोशनी जलाकर, मुझे याद मत करना।
मेरे मरने के बाद भी, मुझे याद मत करना।

बलदेव सिन्हा "रब"
ग्राम-सुरगी

शब्द सामर्थ्य -329

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक काल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे
1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए, प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

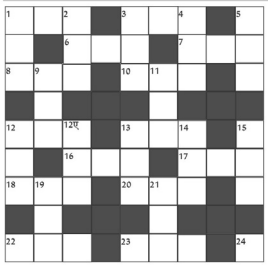

शब्द सामर्थ्य क्रमांक328 का हल

प	सं	द			सिं	हा	स	न	
ख		म	ज	दू	र		का	म	
वा	द	क		र		सं	ब	ल	
ड़			ल	ज्जा		म	स्का		य
	बा				बि	हा	र		
सु	धा	क	र			न			औ
रं		म			कि	ता	ब		स
ग		अ	र	सा			हु	ज्ज	त
	श	क्ल			न	मि	त		न

सू- दोकू क्र.329

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.328 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

राशिफल

मेष
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखना चाहिए। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोचसमझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं। घरके साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिए अच्छा रहेगा।

वृषभ
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से रिलेटिड कोई शुभ समाचार मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बितायेंगे। जो लोग मीडिया के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा होगी।

मिथुन
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़ेबुजुर्ग की राय आपके लिए कारगार साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा।

कर्क
आज आपका दिन ठीकठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, जिससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है। ऑफिस में आपको कुछ लोगों से मदद भी मिलेगी। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों की आज शानदार जीत होगी।

सिंह
आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आपको सबका पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। माता-पिता आपको कोई बड़ा गिफ्ट देंगे इससे आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे।

कन्या
आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने फिरने में अधिक बीत सकता है। परिवार के साथ समय बितायेंगें। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक कोई बड़ा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। पैसों की स्थिति में बड़े बदलाव होने की संभावना है।

तुला
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किये गये काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नये प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

वृश्चिक
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि मिलेगी।

धनु
आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा, और हर प्रोजेक्ट में हेल्प करेंगे। आज हर कोई आपकी बातों से प्रभावित होगा। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिलेगी, जिनको आप अच्छी तरह से निभाएंगे।

मकर
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए कोई फैसला करना कठिन होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान कैंसिल हो जायेगा। आज आपका मन अध्यात्म की ओर रहेगा, आप धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करवा सकते है।

कुंभ
आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। घर पर अचानक कोई रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आयेंगे। आज आपको किसी भी तरह के वादविवाद से बचने की जरुरत है। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा।

मीन
आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है।

डोंगरगांव अस्पताल में नया एक्स-रे मशीन का शुभारंभ, एसडीएम ने काटा फीता

डोंगरगांव(दावा)। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कम्प्यूटर रेडियोग्राफी (सी.आर.) सिस्टम के माध्यम से मरीजों को स्वच्छ छवि वाला एक्सरे समय पर मिल सकेगा. बात दें कि कई वर्षों से डोंगरगाँव के अस्पताल में मैन्युअल एक्स-रे से काम चल रहा था, जिसमें एक्स-रे करवाने के बाद मरीजों को एक से डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ता था और रिपोर्ट मिलने के बाद छोटे-मोटे फ्रैक्चर का पता नहीं चल पाता था लेकिन अब सीआर सिस्टम लगने से मरीजों को एक्स-रे रिपोर्ट तो टाईम पर मिलेगी ही और सभी तरह की परेशानियों को साफ साफ देखा जा सकेगा. इससे मरीजों के साथ डॉक्टरों को भी इलाज करने में काफी सहुलियत होगी. इस बहुप्रतीक्षित मांग को लेकर कई बार शासन-प्रशासन को पत्राचार भी किया गया था और अब लंबे अरसे बाद एक सौगात के रूप में डोंगरगांव को नई प्रणाली का एक्सरे मशीन मिल गया है. अब सीआर सिस्टम लगने से एक्स-रे के क्वालिटी में भी बदलाव नजर आने लगा है. कम्प्यूटर रेडियोग्राफी सिस्टम का

अनुमानित लागत 12.50 लाख रुपए बतायी जा रही है और इस मशीन को छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कारपोरेशन लिमिटेड (सीजीएमसी) के द्वारा मुहैया कराया गया है. नये एक्सरे का विधिवत शुभारंभ शहर के एसडीएम अश्वन कुमार पुसाम ने ग्रीन रिबन काट पूजन अर्चन कर किया है. इस अवसर पर डॉ.रागिनी चंद्रे खंड चिकित्सा अधिकारी, भोज कुमार साहू रेडियोग्राफर, रंजना शुक्ला आरएमए, सुलोचना रामटेके, बी.देवांगन नर्सिंग सिस्टर, विशाल खत्री, खेमराज लहरे, रूपेश साहू, टी.परवीन, रानी ठाकुर, शुभम गुर्वे, तेजराम नेताम, पायल, घनश्याम साहू, जशवंत कोढ़ापे, शिप्रा मुटकुरे, टिकेश्वरी साहू सहित अस्पताल कर्मचारीगण उपस्थित रहे.

मरीजों को नहीं करना पड़ेगा घंटों इंतजार

आधुनिक संसाधन डॉक्टर व सुरक्षा के बगैर बेकार ?

डोंगरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लगातार अत्याधुनिक सुविधाओं की बढ़ोतरी हो रही है किन्तु यहाँ पहुंच रहे संसाधनों का भरपूर उपयोग नहीं हो पा रहा है. फिर चाहे यहाँ लगाए गए आक्सीजन प्लॉट हो या सोलर प्लांट. अस्पताल में लगाये जा रहे संसाधनों पर चोरों की नजर लगातार बनी हुई है और महंगे उपकरणों को केवल तांबे के तारों और लोहे के चलते कई बार चोरी का मामला सामने आया है. शासन-प्रशासन व्दारा यहाँ महंगे उपकरण तो मुहैय्या कराया जा रहा है किन्तु उनकी देखरेख को लेकर कोई भी गंभीर नहीं है. इसी तरह अस्पताल में मरीजों के काऊंटर पर्ची के लिए विगत दो वर्षों से कम्प्यूटर सेट आकर पड़ा हुआ है किन्तु आज तक यहाँ मेनुअल पर्ची ही उपलब्ध कराया जा रहा है जबकि इस संबंध में उच्चाधिकारियों के साथ ही अखबारों में भी खबर लग चुका है. वहीं विगत कई वर्षों से इस अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी बनी हुई है, ऐसे में सरकारी अस्पताल के सुसज्जित भवन और आधुनिक संसाधनों का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है.

38वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल ने बागनदी के कोठीटोला ग्राम में लगाया मुफ्त चिकित्सा शिविर

सड़क चिरचारी (दावा)। 38वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल द्वारा बगनादी के ग्राम कोठीटोला में दिनांक 08 फरवरी को मुफ्त चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया। उच्च कार्यालयों के दिशा निर्देश अनुसार 38वीं वाहिनी द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीण जनता हेतु मुफ्त चिकित्सा कैंप आयोजित करने का संकल्प लिया गया है, जिसके फलस्वरुप थाना बागनदी के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोठीटोला में 38वीं वाहिनी द्वारा मुफ्त चिकित्सा कैंप का सफल आयोजन किया गया। कोठीटोला ग्राम व आसपास के नजदीक ग्रामों से लगभग 250 लोगों का उपचार डॉ. दिलीप.सी.(चिकित्सा अधिकारी) द्वारा किया गया। इस अवसर पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के वरिष्ठ पदाधिकारी गण ओ.पी.यादव (उप महानिरीक्षक), ज्ञानचंद (उप कमांडेंट उतारने से निश्चित ही प्रशासन के प्रति ग्रामीणों का विश्वास बढ़ रहा है तथा बल द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुदूर अंचलों में ग्रामीणों को मिल रहा है।

पहला कॉलम...

गांव चलो अभियान के तहत बूथ क्रमांक 153 में बैठक संपन्न

डोंगरगढ़ (दावा)। प्रदेश एवं जिला भारतीय जनता पार्टी के आदेशानुसार गांव चलो अभियान के तहत डोंगरगढ़ शहर मंडल के बूथ क्रमांक 153 में आज दिनांक 09/02/2024 को नगरीय बूथ प्रवासी लक्ष्मीनारायण अग्रवाल की उपस्थिति में बूथ समिति के सदस्यों एवं पन्ना प्रभारियों के साथ बूथ अध्यक्ष शिवा यादव के निवास में बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में समिति के सदस्यों एवं पन्ना प्रभारियों को जिम्मेदारी सुनिश्चित की गई एवं आने वाले लोकसभा चुनाव में वोट प्रतिशत कैसे बढ़ेगा। इस पर चर्चा की गई। बैठक में लक्ष्मीनारायण अग्रवाल,तुलसी मिश्रा, राकेश अग्रवाल, शिवा यादव, दशरथ निषाद, प्रकाश यादव, रतनी बाई, राधाबाई, धनुष कंदरा, सुखलाल नरेंद्र पटेल, गोलु निर्मलकर ,मनु यादव, बंशी कुर्रे, इंदु कुर्रे, आशा कुर्रे, प्रीति घिंघोड़े, जमुला बारले, छाया बारले, सुरेखा बंजारे, बुधा बाई, परस कंदरा, देवकी बाई, मीरा बंजारे, बोधन निषाद, ठगिया निषाद, मेहतरीन बाई निषाद, कुंती बाई एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

आज से दो दिवसीय भव्य मानस प्रचार प्रसार सम्मेलन ग्राम अछोली में

डोंगरगढ़/अछोली(दावा)। विकासखंड के समीप स्थित ग्राम अछोली में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री शारदा मानस समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से दो दिवसीय भव्य मानस प्रचार प्रसार सम्मेलन का 33वा वर्ष, आज 10 एवं 11 फरवरी दिन शनिवार एवं रविवार को गौठान पुराना अछोली में आयोजित किया जा रहा है जिसमें 10 फरवरी को सुबह 8:00 बजे कलश यात्रा एवं 10:00 बजे से मानस गान का शुभारंभ किया जावेगा, वहीं रोजाना संध्या 7:00 बजे महाआरती होगी दोनों दिवस भोजन भंडारा का आयोजन किया गया है। जिसमें आयोजन समिति के सदस्यों ने अंचल के धर्म अनुरागी भाइयों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

आज से डिलापहरी में दिवसीय भव्य मानस महोत्सव

राजनांदगांव (दावा)। प्रतिवर्षानुसार इस भी ग्राम डिलापहरी में जय बजरंग युवा समिति एवं समस्त ग्रामवासी के तत्वाधान में आगामी 10 व 11 फरवरी को दो दिवसीय भव्य मानस महोत्सव का आयोजन मानस मंच डिलापहरी में आयोजित की गई है। यह आयोजन का 39वॉ वर्ष है। उक्त आयोजन में छत्तीसगढ़ के ख्याति प्राप्त 16 मानस मंडली क्रमशः डुडा महासमुन्द, कोलर अभनपुर, घुपसाल, मठपुरैना रायपुर, दल्लीराजहरा, चिरचारी खुर्द, तुलसीपुर, जोशीलमती, खपरीकला (बांकल), मारूटोला खुर्द, मौलीपारा कांकेर, गठुला, भटगांव धमतरी, निवारीखुर्द बालोद, सलौनी खैरागढ व रांवाभांठा रायपुर भाग ले रही है।

आज से डोंगरगाँव फाईलेरिया मुक्त महाअभियान

राष्ट्रीय फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन करेगें क्षेत्रवासी

डोंगरगांव (दावा)। ब्लॉक को फाईलेरिया मुक्त बनाने के लिये सामूहिक दवा सेवन कराने की वृहद कार्ययोजना की शुरूवात आज शनिवार से होगी. इसके लिये ब्लॉक के समस्त ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में वृहद स्तर पर टीम गठित किया गया है, जो समस्त स्कूलों, शिक्षण संस्थाओं, आंगनबाड़ी केन्द्र तथा नगर एवं ग्राम के सभी वार्डो में दवाई सेवन कराने के लिये सर्व विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है. इस संदर्भ में बीपीएम राकेश कुर्रे व मलेरिया सुपरवाईजर राकेश निर्मलकर ने बताया कि राष्ट्रीय फाईलेरिया कार्यक्रम उन्मुलन के अंतर्गत वर्तमान में प्रदेश के 03 जिलों में फाईलेरिया(हाथी पॉव) को लेकर किये गये सर्वे में फाईलेरिया की मरीज की पुष्टि हुई है, जिसमें राजनांदगांव जिले के अंतर्गत डोंगरगांव व डोंगरगढ़ सम्मिलित हैं. इसे देखते हुये राज्य स्तर से प्राप्त निर्देश अनुसार फाइलेरिया उन्मुलन के लिये वृहद अभियान को आज से प्रारम्भ किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक नागरिक जिसकी आयु 02 वर्ष से अधिक है, उन्हें डीईसी 100 एमजी तथा एडबेण्डाजॉल 400 एमजी की टैबलेट आयु समुह अनुसार सेवन के लिये निःशुल्क समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों एवम मितानीनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा उक्त दवा सेवन कराया जायेगा.

अर्जुनी के किशुन साव का निधन: देहदान कर समाज को दी प्रेरणा

डोंगरगांव (दावा)। अंचल के ग्राम अर्जुनी निवासी किसुन साव का आकस्मिक निधन गुरूवार देर रात्रि को हो गया है. पूर्व अध्यक्ष जिला साहू संघ, पूर्व अध्यक्ष प्रदेश शिक्षक संघ, अध्यक्ष पेंशनर संघ, वर्तमान ग्राम प्रमुख, सेवानिवृत्त शिक्षक किसून साव ने अपने निधन के कुछ वर्षों पूर्व मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव को देहदान कर समाज को एक उदाहरण प्रस्तुत किया था.

धर्मपत्नी दुरपत साव एवं लविन्द्र साव व अमित साव, इन्दुलता साहू के पिता किशुन साव अपने जीवन काल में अनेक पदों में कार्यकर समाज को निरंतर नई दिशा देने का प्रयास करते रहे. उनका पार्थिव शरीर मृत्यु उपरांत भी मेडिकल कालेज राजनांदगांव में प्रशिक्षु मेडिकल छात्रों के प्रायोगिक अध्ययन में नई रोशनी देगा, जिसमें बढ़ते कदम के गुरूमुख बाधवा, जिला रक्तवीर संगठन व नवदृष्टि फाउंडेशन से फनेंद्र जैन, तरुण अड़तिया व ग्राम अर्जुनी के समाजसेवी विजय जैन ने सहयोग प्रदान किया. ग्राम अर्जुनी में देहदान की प्रक्रिया प्रथम बार होने के कारण काफी चर्चा और सराहना का विषय रहा. उनकी अंतिम यात्रा में भैया लाल साहू, चेतनदास साहू, अमरनाथ साहू, हेमंत साहु, अलखराम साहू, बालकृष्ण साहू, दिनेश साहू, बी.पी.एम. राकेश कुर्रे, भावना बाजपेयी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे.

आज से ग्राम चंदिया में 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ तथा प्रज्ञा पुराण कथा

डोंगरगांव (दावा)। समीपस्थ ग्राम चंदिया(गिदर्री) में आज 10 फरवरी से दो दिवसीय पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ तथा पावन प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया गया है. परिवार कल्याण, समाज कल्याण तथा विश्व कल्याण की भावना के साथ आयोजित उक्त कार्यक्रम में निःशुल्क अनेक संस्कार भी संपन्न कराये जायेंगे. अखिल विश्व गायत्री परिवार, परमपूज्य गुरूदेव पं.श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवतीदेवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम में गायत्री मिशन के जिला समन्वयक जयप्रकाश सिन्हा प्रज्ञा पुराण कथा वाचन करेंगे. आयोजन के प्रथम दिवस 10 फरवरी को प्रातः 10 बजे ग्राम में मंगल कलश यात्रा निकाली जायेगी. पश्चात् दोपहर 1 बजे देवपूजन तथा देवस्थापना तथा सायं 4 बजे से पावन प्रज्ञा पुराण कथामृत होगा.

द्वितीय दिवस 11 फरवरी को प्रातः 8 बजे से पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कार, पूर्णाहूति का कार्यक्रम होगा. पश्चात् सायं 4 बजे से प्रज्ञा पुराण कथा तथा टोली की बिदाई होगी. गायत्री परिवार के लेखराम पिस्दा, प्रेमसिंह पिस्दा, चुनुराम कुल्हारे, खेमूराम निषाद, सोपसिंह निषाद, बोरेलाल निषाद, कपिल कुल्हारे, सीताराम राणा, पदुमलाल निषाद तथा हुकुमलाल निषाद आदि ने अंचल के समस्त धर्मप्रेमीजनों से यज्ञीय कार्य में अपनी उपस्थिति देने कहा है.

सड़क दुर्घटनाओं में मृत एवं घायल पीड़ित व्यक्तियों को सहायता अनुदान की 35 लाख 80 हजार रुपए पुर्नबंटित

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने शासन से प्राप्त सड़क दुर्घटना में मृत एवं घायल पीड़ित व्यक्तियों को सहायता अनुदान राशि जिले के राजनांदगांव, डोंगरगांव, छुरिया एवं डोंगरगढ़ तहसीलों को पुर्नबंटित कर दिया है।

उन्होंने राज्य शासन से प्राप्त 35 लाख 80 हजार रूपए की राशि इन तहसीलों के लिए पुर्नबंटित किया है। इसके अंतर्गत राजनांदगांव तहसील को 13 लाख 35 हजार रूपए, डोंगरगांव तहसील के लिए 3 लाख 20 हजार रूपए, छुरिया तहसील के लिए 10 लाख 30 हजार रूपए एवं डोंगरगढ़ तहसील के लिए 8 लाख 95 हजार रूपए की राशि पुर्नबंटित की गई है।

भण्डारपुर में बनने वाले 132 केव्ही पावर स्टेशन का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ करें- छन्नी चंदू साहू

छुरिया (दावा)। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक श्रीमती छन्नी चंदू साहू ने छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश व क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को गंभीरता से न लेना बताया ज्ञात हो कि खुज्जी विधानसभा क्षेत्र की हृदय स्थल छुरिया अंचल में 132 केव्ही पावर स्टेशन निर्माण की मांग डेढ़ दशकों से क्षेत्र की जनता व किसानों के द्वारा की जा रही थी, कई बार तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह जी के जमाने में छुरिया अंचल के किसानों के द्वारा धरना प्रदर्शन चक्का जाम आंदोलन भी किया गया, लेकिन तब के भाजपा सरकार किसानों की आवाज को न सुनकर आवाज दबा दी गई किंतु किसान हार न मानकर अपनी मांग अनवरत जारी रखें और 2018 की चुनाव में भाजपा सरकार को उखाड़ फेंक छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत सरकार बनती ही क्षेत्र की तत्कालीन विधायक श्रीमती छन्नी चंदू साहू जो की किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली कृषक महिला किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए लो वोल्टेज की निजात के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी से छुरिया अंचल में 132 केव्ही लाइन की मांग रखी जिसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने गंभीरता दिखाते हुए 26 मार्च को छुरिया प्रवास के दौरान बम्हनी चारभाठा में 33 /11 केव्ही उपकेंद्र के लिए दो करोड़ 41 लाख का लोकार्पण एवं भण्डारपुर में बनने वाले 132 केव्ही पावर स्टेन के लिए 64 करोड़ 14 लाख की नींव रखी, जिसका प्रशासकीय स्वीकृति पश्चात टेंडर प्रक्रिया पूरा होने के बावजूद आज पर्यन्त तक निर्माण कार्य प्रारंभ न होना भाजपा सरकार की उदासीनता को दर्शाता है छत्तीसगढ़ कि भाजपा सरकार कभी नहीं चाहती कि छत्तीसगढ़ की किसान खुशहाल रहे।

श्रीमती साहू ने आगे कहा कि डबल इंजन की सरकार में किसान कितना खुशहाल हो रहा है, जनता सब देख रही है। 2 साल की बोनस में धोखा कर बड़ी ही चालाकी के साथ 2014-15 में अकाल के कारण 75 प्रतिशत किसान अपनी फसल नहीं बेचे थे, जब फसल ही नहीं बेचे थे तो बोनस कैसा यह किसानों के साथ छलावा है। किसानों की आय दुगुनी करने बड़ी-बड़ी वादे करने वाले भाजपा सरकार आय दुगनी तो नहीं कर पाए आधी जरूर कर गए।साहू ने आगे कहा कि कांग्रेस ही हमेशा किसानों की पार्टी रही है किसानों की सच्ची आवाज उठाई है। आने वाले दिनो में किसानो को बिजली की समस्या उत्पन्न हुई तो अंचल के किसानो के साथ सड़क पर लड़ाई लड़ी जाएगी।

युवाओं, किसानों व महिलाओं को निराश करने वाला बजट

छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज वित्तमंत्री ओपी चौधरी द्वारा बजट पेश किया गया जहां युवाओ के न कोई रोजगार की बात की गई है न ही किसानों के नई योजनाओं या महिलाओं के लिए कोई नई घोषणा नहीं की गई है, युवा लगातार रोजगार की मांग कर रहे है, महिलाएं घरेलू गैस सहित अन्य जरूरत के सामानों पर रियायत मिलने का इंतजार कर रही है जहां इस बजट में निराशा हाथ लगी है।

छत्तीसगढ़ के विकास की मजबूत नींव रखने वाला बजट - बालकृष्ण सिन्हा

डोंगरगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के वर्तमान सत्र में आज प्रदेश के वित्तमंत्री ओपी चौधरी द्वारा आज बजट प्रस्तुत किया गया। सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मंडल भाजपा के महामंत्री बालकृष्ण सिन्हा ने उक्त बजट को छत्तीसगढ़ के विकास की मजबूत नींव रखने वाला बजट निरूपित किया है। एक विज्ञप्ति में श्री सिन्हा ने कहा कि इस बजट में शांत, सौम्य और मेहनती प्रदेशवासियों के मान, सम्मान और भविष्य की आकांक्षाओं का पूरा पूरा ध्यान रखा गया है। प्रदेश में पहली बार वित्त मंत्री बनने के बाद और विष्णुदेव सरकार में अपनी पहली पारी खेलते हुए श्री चौधरी ने प्रदेश के विकास का जो खाका खींचा है, वह वाकई प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में खोखला हो गये प्रदेश की अर्थव्यवस्था को जरूर इससे मजबूती मिलेगी और जिस आशा और विश्वास के साथ जनता जनार्दन ने अपना जनादेश भाजपा को दिया है, वह आधारभूत संकल्पना इससे पूरी होती दिख रही है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह बजट राज्य का बेहतर भविष्य तय करने वाला है। इसमें प्रदेश के असंख्य युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों सहित अन्नदाताओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

90 लोगों ने यातायात जागरूकता अभियान से प्रभावित होकर स्वेच्छा से हेलमेट खरीदकर हेलमेट पहनने की शपथ ली

खैरागढ़ (दावा)। जिले के पुलिस कप्तान त्रिलोक बंसल (आईपीएस) के निर्देशन में जिले की यातायात व्यवस्था को सुचारु से संचालित करने एवं मृत्यु गंभीर चोट जैसी बड़ी दुर्घटनाओं को रोकने हेतु जिले के सभी थानों एवं यातायात शाखा खैरागढ़ को आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त हुआ जिसके परिपालन में यातायात पुलिस खैरागढ़ एवं थाना ठेलकाडीह, खैरागढ़, छुईखदान-गंडई थानों के द्वारा चालान नहीं समाधान का मूल मंत्र ध्यान में रखते हुए लोगों को हेलमेट लगाने के महत्व को बताते हुए हेलमेट लगाने से होने वाले छती एवं चालान से मुक्ति के बारे में बता कर चालान नहीं समाधान यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया जिससे प्रेरित होकर ग्रामीण सहकारी बैंक खैरागढ़ में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए सभी वर्ग के ग्रामीणों ने स्वेच्छा से हेलमेट क्रय कर पुलिस अधीक्षक महोदय के दिशा निर्देश पर चलाए जा रहे यातायात जागरूकता अभियान को सफल बनाया है ।प्रथम चरण में इसी प्रकार के चालान नहीं समाधान जैसे यातायात जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं इसके पश्चात द्वितीय चरण में पुनः यातायात के नियमों के अवहेलना करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जाएगी इसकी भी समझाइश दिया जा रहा है।

- नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के दिशा निर्देश पर लगातार जिला में चलाया जा रहा यातायात जागरूकता अभियान
- जिले में यातायात नियमों का पालन करने व हेलमेट पहनने पुलिस अधीक्षक की अपील

नारियां रसोई से संसद तक संभाल रही, आधुनिक भारत में है प्रेरणास्त्रोत - गीता घासी साहू

राजनांदगांव (दावा)। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ग्राम नाडेकल विकासखंड मोहला में विभागीय जिला स्तरीय महिला स्व. सहायता समूह सशक्तिकरण शक्ति वंदन अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर किया गया। मुख्य अतिथि राजनांदगांव जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाए लागू किया है, जिनका लाभ सीधे हितग्राहियों को मिल रहा है। आज नारी शक्ति सभी क्षेत्रों में अग्रणी हो गई है। महिलाओं को केंद्र सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ मिल रही है। अध्यक्ष गीता घासी साहू ने आगे कहा कि निश्चित रूप से नारी सशक्त हो गई है। तकनीकी के क्षेत्र में भी वह काफी आगे बढ़ चुकी है। किरण बेदी, कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स, मदर टेरेसा, प्रतिभा पाटिल व राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू जैसी नारियां आधुनिक युग की नारियों की प्रेरणा स्रोत है। अब की नारियां रसोई के करछुल से संसद तक संभाल रही है। राष्ट्रपति पद पर महिला का आसीन होना इस बात को प्रमाणित करता है कि बौद्धिक व निर्णय क्षमता में नारियों ने अपना लोहा मनवा लिया है। अब नारियां घर पर रहकर देवी की तरह अपनी पूजा नहीं चाहती वह पुरुष के बराबर खड़ी होकर कंधे से कंधा मिलकर काम करना चाहती है और समाज में अपना स्थान और अपनी एक पहचान चाहती है।

उन्होंने आगे कहा कि नारी अपने आप में शक्तिशाली है इस नारी को सम्मानित करना हमारा परम कर्तव्य है। जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू एवं उपस्थित अन्य अतिथियों ने नारी शक्ति को मोमेंटों देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नम्रता सिंह, योगेश भगत, कमलेश सारस्वत, राधिका अंधारे, वीरेंद्र मासिया, रेणुका टांडिया, संगीता मिश्रा, बसंता बाई, रागिनी सोरी, भारती माहौर, किरण मांडवी, भगत राम भुआर्य, सतीश दुबे, हेमंत ठाकुर, प्रियमदा रामटेके, कल्पना वाल्दे, संतराम हिडामें, महेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

पहला कॉलम...

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने आर्मी कमांडर वैलेरी जालुझनी को हटाया

नई दिल्ली। रूस के हमले की शुरुआत से ही यूक्रेन के जमीनी बलों के कमांडर रहे ओलेक्जेंडर सिर्स्की को बड़ी जिम्मेदारी मिल गई है. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने ओलेक्जेंडर सिर्स्की को इस जोखिम भरे समय में यूक्रेन का मिलिट्री चीफ बना दिया है. बता दें कि यह कदम युद्ध के लगभग दो साल बाद तब उठाया गया है कि जब जंग में थके सैनिकों के बीच वैलेरी जालुझनी की पॉपुलैरिटी कम हो गई. आइए जानते हैं कि ओलेक्जेंडर सिर्स्की कौन हैं और वह किस स्ट्रेटेजी पर काम कर सकते हैं. बता दें कि अभी तक यह साफ नहीं है कि नए मिलिट्री चीफ ओलेक्जेंडर सिर्स्की क्या बदलाव लाएंगे या ला सकते हैं. राष्ट्रपति जेलेंस्की के करीबियों का मानना है कि पुराने कमांडर वैलेरी को इस वजह से हटाया गया क्योंकि उनकी प्लानिंग सीमित संसाधनों के हिसाब से बहुत ज्यादा महत्वाकांक्षी थी. बताया जा रहा है कि ओलेक्जेंडर सिर्स्की की नेतृत्व में यूक्रेनी सेना जवाबी हमले करने के बजाय अपने आपको बचाने में ताकत खर्च करेगा. कौन हैं ओलेक्जेंडर सिर्स्की? जान लें कि ओलेक्जेंडर सिर्स्की की उम्र अभी 58 साल है. ओलेक्जेंडर सिर्स्की जमीनी बलों के कमांडर के रूप में काम कर चुके हैं. ओलेक्जेंडर सिर्स्की की लीडरशिप में ही युद्ध के शुरुआती महीने में कीव की रक्षा की गई थी. इसके बाद 2022 के आखिर में ओलेक्जेंडर सिर्स्की के नेतृत्व में भी खार्किव में एक सफल जवाबी हमले किया गया था.

आम चुनाव में आतंकी हाफिज सईद को तगड़ा झटका, बेटे को मिली करारी शिकस्त

नई दिल्ली। पाकिस्तान चुनाव के रिजल्ट ने पाकिस्तानी फौज को ही नहीं पूरी दुनिया को चौंका दिया है. रुझानों में जेल में बंद इमरान खान के समर्थक काफी आगे चल रहे हैं. वहीं, नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो को करारी शिकस्त मिलती हुई दिख रही है. इस बीच, नवाज और बिलावल के अलावा भी एक और शख्स है जिसको चुनाव के नतीजों से बड़ा झटका लगा है. ये शख्स कोई और नहीं बल्कि मोस्ट वांटेड आतंकी और मुंबई हमले का मास्टरमाइंड हाफिज सईद है. दरअसल, हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद भी चुनाव में हार गया है. बता दें कि पाकिस्तान की जनता ने मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद को नकार दिया है. पाकिस्तान की आवाम ने तल्हा सईद को आईना दिखा दिया है. तल्हा सईद की पाकिस्तान आम चुनाव में करारी शिकस्त हुई है. हार तो छोड़िए वोटों की गिनती हुई तो पता चला कि तल्हा सईद लड़ाई में भी नहीं थे.

दक्षिणी गाजा शहर पर इजरायल ने किया भीषण हवाई हमला, 13 लोगों की मौत

राफा (गाजा पट्टी) । इजरायल-हमास युद्ध को 4 महीने होने को हैं। इजरायली सेना लगातार गाजा में हवाई हमले कर रही है। इसमें आम नागरिकों की भी मौत हो रही है। इजरायली सेना के ताजा हवाई हमले में गाजा पट्टी के राफा में रातभर हुए इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। ये हमले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा हमास की संघर्ष विराम शर्तों को खारिज करने के कुछ घंटों बाद हुए हैं। पट्टी की आधी से अधिक आबादी राफा भाग गई है, जो मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए मुख्य प्रवेश बिंदु भी है।

मृतकों के शवों को कुवैती अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के अनुसार रात भर हुए हमलों में दो महिलाओं और पांच बच्चों सहित कम से कम 13 लोग मारे गए हैं। पिछले चार महीनों के दौरान, इजरायल के हवाई और जमीनी हमलों में 27,000 से अधिक फलस्तीनी लोगों की मौत हुई है। क्षेत्र की एक चौथाई आबादी खाद्यान्न की गंभीर कमी का सामना कर रही है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि हमास पर पूर्ण विजय होने तक आक्रमण जारी रहेगा।

दुनिया में तेजी से फैल रही फंगल इंफेक्शन

नई दिल्ली।अमेरिका में इन दिनों एक बेहद जानलेवा इंफेक्शन का कहर तेजी से बढ़ रहा है. इस फंगल इंफेक्शन को कोरोना से भी ज्यादा घातक माना जा रहा है. एक्सपर्ट्स की मानें तो कैंडिडा ऑरिस नामक यह संक्रमण लोगों के लिए बेहद घातक साबित हो रहा है. इसकी चपेट में आने वाले करीब 60 फीसदी लोगों की मौत हो रही है. चिंता की बात तो यह है कि इस इंफेक्शन पर दवाओं का कोई असर नहीं हो रहा है और अमेरिका में इसके मामले बढ़ते जा रहे हैं. इससे दुनियाभर में चिंता का माहौल बन गया है, क्योंकि अगर यह इंफेक्शन अन्य देशों में तेजी से फैला, तो महामारी का रूप ले सकता है. लोग अभी तक कोरोना महामारी के प्रकोप से उबर भी नहीं सके हैं और इसी बीच घातक फंगल इंफेक्शन के मामले सामने आने से सभी की चिंता बढ़ गई है.

अमेरिकी वेबसाइट एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक कैंडिडा ऑरिस एक रेयर फंगल इंफेक्शन है, लेकिन साल 2016 के बाद लगातार इसके मामले बढ़ते जा रहे हैं. इस साल अमेरिका के कई राज्यों में यह संक्रमण सामने आया है. इसी महीने वाशिंगटन राज्य में 4 लोग इस जानलेवा इंफेक्शन की चपेट में आ गए. यह इंफेक्शन होने पर एंटीफंगल दवाएं काम नहीं करती हैं और इसका खतरा कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को ज्यादा है.

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 29 फरवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 14 खिलाड़ियों की टीम का चयन किया है, जिसमें माइकल नेसर को भी शामिल किया गया है। मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप विजेता पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ हालिया घरेलू श्रृंखला वाली टीम के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर जाएगा, जिसमें एकमात्र बदलाव नेसर के रूप में है।

नेसर को लांस मॉरिस की जगह मौका मिला है जो वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में चोटिल हो गए थे। साथ ही एक वजह यह भी है कि चयनकर्ता वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में सीम-अनुकूल पिचों की उम्मीद कर रहे हैं।

चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहाः माइकल नेसर की टीम में वापसी हुई है। यह देखना बहुत अच्छा है कि माइकल नेसर को लंबे समय से उनके लगातार प्रदर्शन और हमारी परिस्थितियों के बाद टीम में एक और मौका मिला है। तेज गेंदबाज पैट कमिंस एक बार फिर श्रृंखला के दौरान टीम का नेतृत्व करेंगे। इस टीम के साथ वो एक मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप का नेतृत्व करेंगे जिसमें जोश हेज़लवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन शामिल हैं, जबकि अनुभवी उस्मान ख्वाजा की उप-कप्तान स्टीव स्मिथ के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी नई भूमिका जारी रखने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है। इस महीने की शुरुआत में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका को 285 रन से हराने के बाद न्यूजीलैंड शीर्ष पर है।

पहला टेस्ट वेलिंग्टन में 29 फरवरी और दूसरा मैच 8 मार्च को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, माइकल नेसर, मैथ्यू रैनशॉ, स्टीव स्मिथ (उपकप्तान) और मिचेल स्टार्क।

शेड्यूलः पहला टेस्टः 29 फरवरी/ 4 मार्च, वेलिंग्टन

दूसरा टेस्टः 8 मार्च/ क्राइस्टचर्च

सेबी का बड़ा एक्शन, स्टॉक टिप्स देने वाले 10 मार्केट एक्सपर्ट्स को बैन किया

नई दिल्ली। सेबी पूंजी बाजार नियामक सेबी ने एक बार फिर स्टॉक टिप्स देने वाले 10 मार्केट एक्सपर्ट पर बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल, ये मार्केट एक्सपर्ट एक बिजनेस चैनल पर आकर स्टॉक टिप्स देते थे और भोलेभाले निवेशक को गुमराह करते थे। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी जांच में पाया कि ये गेस्ट मार्केट एक्सपर्ट एक बिजनेस समाचार चैनल पर स्टॉक रिकमेंडेशन देने से पहले ही कुछ स्टॉक ब्रोकर फॉर्म को अपनी अनुशंसाओं के बारे में अग्रिम जानकारी साझा कर देते थे। ऐसे में वो फर्म पहले से ये शेयर ले लेते थे। जब ये रेकोमेंड करते थे तो भाव चढ़ता था। उस समय वे बेच कर निकल लेते हैं। इस चक्कर में आम निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा। वहीं, इस तरह मार्केट एक्सपर्ट और फर्म मिलकर मोटी कमाई करते थे।

सेबी ने इन सभी पर पाबंदी लगाई मिली जानकारी के अनुसार, सेबी ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि गेस्ट मार्केट एक्सपर्ट किरण जाधव, आशीष केलकर, हिमांशु गुप्ता, मुदित गोयल और सिमी भौमिक से स्टॉक रिकमेंडेशन संबंधी अग्रिम जानकारी के आधार पर निर्मल कुमार सोनी, पार्थ सारथी धर, एसएएआर कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मनन शेयरकॉम प्राइवेट लिमिटेड और कन्हैया ट्रेडिंग कंपनी ने उन सौदों को पूरा कर लाभ कमाया। इसके कारण इन पर बैन लगाया जाता है।

कोलिन्स को हराकर रिबाकिना अबू धाबी के क्वार्टर फाइनल में

अल रावदाह। नंबर 1 वरीयता प्राप्त ऐलेना रयबाकिना ने अबू धाबी ओपन के दूसरे दौर में अमेरिकी डेनिएल कोलिन्स को हराया, एक सेट और ब्रेक के बाद 2 घंटे और 17 मिनट में 4-6, 6-3, 6-3 से जीत हासिल की।

पूर्व विंबलडन चैंपियन रयबाकिना ने अबू धाबी में हर बार अंतिम आठ में जगह बनाई है। वह उस स्तर पर 2021 में आर्यना सबालेंका से और पिछले साल बीट्रिज़ हद्दाद माइया से हार गईं। कजाकिस्तान की खिलाड़ी के पास यहां अपने पहले सेमीफाइनल में भाग्यशाली हारने वाली क्रिस्टीना बुक्सा के खिलाफ पहुंचने का मौका होगा, जिन्होंने क्वालीफायर हीथर वॉटसन को 7-6(7-1), 7-5 से हराकर अपने पहले टूर-स्तरीय क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

कोलिन्स ने पहले सेट में जोरदार प्रदर्शन किया और दूसरे सेट में शुरुआती ब्रेक बढ़त हासिल कर ली, लेकिन रयबाकिना ने तत्काल ब्रेक बैक के साथ जवाब दिया। हालाँकि, वह अभी भी पूरे प्रवाह में नहीं थी, और फिर से सर्विस छोड़ने के लिए एक ड्रॉप शॉट का प्रयास किया और 3-2 से पीछे हो गई, डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट।

इसके बाद कोलिन्स की सर्विस पर चार ड्यूस का संघर्ष हुआ और यह निर्णायक मोड़ साबित हुआ। रयबाकिना ने अपना चौथा ब्रेक प्वाइंट बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया।

सरकारी कंपनियों के शेयरों में जोरदार गिरावट

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र में बैंक स्टॉक्स खरीदारी के चलते भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है.

बड़े सरकारी और निजी बैंकों के शेयरों में लौटी खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी रही. जिसके चलते बीएसई सेंसेक्स 167 अंकों के उछाल के साथ 71,595 अंकों पर बंद हुआ है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 64 अंकों के उछाल के साथ 21,782 अंकों पर बंद हुआ है. सेक्टर का हाल आज के ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बैंक निफ्टी 622 अंकों के उछाल के साथ 45,634 अंकों पर बंद हुआ है. इसके अलावा फार्मा, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि ऑटो, आईटी ऑयल एंड गैस, मेटल्स, एनर्जी, मीडिया और रियल एस्टेट गिरावट के साथ बंद हुआ है. आज के कारोबार में मिड कैप और स्मॉल कैप इंडेक्स में भारी गिरावट देखने को मिली है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 14 गिरकर बंद हुए तो निफ्टी के 50 शेयरों में 27 स्टॉक्स हरे निशान में और 23 गिरकर बंद हुआ है. आज के कारोबार में सरकारी कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली है. निफ्टी पीएसई इंडेक्स 2,66 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए है. रेलवे, डिफेंस, पावर, एनर्जी से जुड़ी कंपनियों समेत छोटे मझोले सरकारी बैंकों के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली है.

मार्केट वैल्यू में गिरावट शेयर बाजार भले ही तेजी के साथ बंद हुआ हो लेकिन लिस्टेड कंपनियों के मार्केट वैल्यू में गिरावट देखने को मिली है. आज कारोबार खत्म पर बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 386.43 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है।

वेलेंटाइन डे पर अमेरिका की निजी कंपनी भेजेगी मून मिशन

नई दिल्ली। नासा और स्पेश एक्स की मदद से एक अमेरिकी कंपनी मिशन मून की तैयारी कर रही है। अमेरिकी कंपनी इंट्यूएटिव मशीन्स का लक्ष्य 14 फरवरी को स्पेसएक्स के फाल्कन 9 राकेट की मदद से लैंडर लांच करना है। यह नासा समर्थित कंपनी एस्ट्रोबायोटिक टेक्नोलाजी के चंद्र लैंडर के बाद सामने आई है। कंपनी पिछले महीने फ्यूल संबंधी समस्या की वजह से चंद्रमा तक अपने मिशन को पहुंचाने में कामयाब नहीं रही थी। ह्यूस्टन स्थित इंट्यूएटिव आइएम-1 चंद्र लैंडर फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से फाल्कन-9 राकेट से 14 फरवरी को 12:57 बजे उड़ान भरेगा, जो इंट्यूएटिव मशीन्स के रोबोटिक नोवा-सी लैंडर ओडीसियस को भेजेगा। यदि सब कुछ ठीक रहा तो ओडीसियस 22 फरवरी को चंद्रमा की सतह पर उतरने वाला

पहला निजी अंतरिक्ष यान बनकर इतिहास रच सकता है। इंट्यूएटिव मशीन्स के अध्यक्ष और सीईओ स्टीव अल्टेमस ने कहा कि हम चंद्रमा पर अपने आइएम-1 मिशन को भेजने की तैयारी कर रहे हैं। यह हमारी टीम के सभी लोगों के समर्पण और कड़ी मेहनत का दर्शाता है। सफल होने पर मिशन लगभग 50 वर्षों के बाद अमेरिका को चंद्र क्षेत्र में वापस लाएगा। दिसंबर 1972 में अपोलो 17 के बाद से अमेरिका ने चंद्रमा पर मिशन भेजने का प्रयास नहीं किया है।

टीम इंडिया को बड़ा झटका, अगले 3 टेस्ट से बाहर हो सकते हैं श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के बचे हुए 3 मैचों के लिए भारतीय चयनकर्ता जल्द ही टीम का ऐलान करने वाले हैं. मगर, इससे पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है. असल में, श्रेयस अय्यर पूरी तरह फिट नहीं हैं, जिसके चलते वह बचे हुए 3 टेस्ट मैचों से बाहर हो सकते हैं. हालांकि, अभी आधिकारिक रूप में इस खबर की पुष्टि नहीं हो सकी है.

भारतीय चयनकर्ता बचे हुए 3 मैचों के लिए टेस्ट टीम का ऐलान करें उससे पहले रिपोर्ट्स के हवाले से श्रेयस अय्यर के स्क्वाड से बाहर होने की खबर आई है. रिपोर्ट्स की मानें, तो अय्यर ने फॉरवर्ड डिफेंस खेलते समय पीठ में अकड़न और ग्रोइन एरिया में दर्द की शिकायत की है, जिसने उनके बचे हुए टेस्ट में खेलने पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं. इतना ही नहीं, एक और जानकारी सामने आई है कि जहां, एक तरफ दूसरे टेस्ट के बाद राजकोट में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए पूरी टीम की प्लेइंग किट वाईजैग से सीधे राजकोट पहुंचा दी गई थी, जबकि अय्यर का सामान मुंबई में उनके घर भेज दिया गया था. सूत्रों ने कहा है कि, श्रेयस अय्यर को आगे के टेस्ट के लिए बैंगलोर में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) भेजा जाएगा, लेकिन बल्लेबाज को अगले महीने इंडियन प्रीमियर लीग शुरू होने तक मैदान में वापसी की उम्मीद है. पिछले साल पीठ की चोट के बाद अय्यर की सर्जरी हुई थी और उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2023 का सीजन मिस किया था.

विराट से जुड़ी गलत खबर देने पर डिविलियर्स ने मांगी माफी

जोहान्सबर्ग। अनुष्का शर्मा इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में हैं। इससे जुड़ी कई खबरें सामने आ चुकी हैं। हालांकि, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने अब तक ऐसी कोई जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन इस बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने इस खबर पर मुहर लगा दी थी। मगर, अब वो भी अपने बयान से पलट चुके हैं। एबी डिविलियर्स ने इसके लिए माफी मांग ली है और कहा है कि उनसे बहुत बड़ी गलती हो गई है।

डिविलियर्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर में अपने कार्यकाल और मैदान के बाहर पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली के खास दोस्त रहे हैं। डिविलियर्स ने कहा, बिल्कुल परिवार पहले आता है, यह प्राथमिकता है, जैसा कि मैंने अपने यूट्यूब शो में कहा था। मैंने उसी समय एक बड़ी गलती की और हां गलत जानकारी साझा की, जो बिल्कुल भी सच नहीं थी। किसी को नहीं पता कि विराट इस समय कहां हैं। विराट के ब्रेक लेने का कारण जो भी हो, आशा है कि वह मजबूती से टीम में वापसी करेंगे। इससे पहले डिविलियर्स ने कहा था कि कोहली दूसरी बार पिता बनने वाले हैं और यह उनका पारिवारिक समय है। यह भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को पसंद नहीं आया और उन्होंने इंग्लैंड सीरीज को मिस करने के लिए कोहली की आलोचना की। हालांकि, अब दक्षिण अफ्रीकी स्टार ने अपना बयान बदल दिया और स्थिति को शांत करने की कोशिश की। इंग्लैंड सीरीज शुरू होने से तीन दिन पहले 22 जनवरी को बीसीसीआई ने घोषणा की कि कोहली व्यक्तिगत कारणों से पहले दो टेस्ट से बाहर हो गए हैं।

शेष प्रथम पृष्ठ का

0 परीक्षाओं में धांधली रोकने के विधेयक पर संसद की मुहर...

परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बेचे जा रहे हैं। आनॅलाइन परीक्षा में भी धांधली हो रही है। परीक्षा किसी को देनी है और दे कोई और रहा है। परीक्षा में धांधली रोकने के प्रयास किया जाना चाहिए। परीक्षाओं में धांधली करने वाले लोगों की संपत्ति जब्त की जानी चाहिए।

बीजू जनता दल के मुजीबुल्ला खान ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि पूरे देश में परीक्षाओं में धांधली हो रही है और बच्चों का भविष्य धूमिल हो रहा है। कई बार तो जो बच्चा में परीक्षा में नहीं बैठ रहे हैं, वह भी उत्तीर्ण हो रहा है। वाईएसआरसीपी के अयोध्या रामी रेड्डी ऐल्ला ने विधेयक का स्वागत किया गया और कहा कि इसके कड़े प्रावधान परीक्षाओं में धांधली रोकने में मदद करेंगे।

कांग्रेस की अमी याज्ञिक ने कहा कि परीक्षाओं में धांधली की व्यापक तौर पर जांच की जानी चाहिए। परीक्षाओं में धांधली को सामान्य अपराध नहीं माना चाहिए बल्कि यह गंभीर श्रेणी का अपराध है और इसके दायरे में सभी संबंधित पक्ष आने चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के दिनेश शर्मा ने कहा कि गहन परीक्षण के बाद यह विधेयक प्रस्तुत किया गया है। यह परीक्षार्थियों के अनुकूल है और इसमें पारदर्शिता रखी गयी है। ये राज्यों के लिए यह मॉडल के रूप में है और चाहे तो इसे अपना सकते हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार पी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की फौजिया खान ने भी हिस्सा लिया।

भारत ही नहीं यह..., विराट की गैरमौजूदगी पर नासिर हुसैन के बयान ने क्रिकेट जगत में मचाई खलबली

दिल्ली। टीम इंडिया के रन मशीन विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच से निजी कारणों की वजह से बाहर रहे लेकिन अब बाकी बचे तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम स्क्वाड के ऐलान से पहले जो खबरे आ रहे वो ये है की विराट तीसरे और चौथे टेस्ट मैच से भी बाहर रह सकते है और आखिरी टेस्ट में भी उनका खेलने पर कुछ साफ तौर पर नहीं कहा जा सकता है, इंग्लैंड जैसी टीम के खिलाफ किसी भी टीम को विराट कोहली जैसे खिलाड़ी की कमी तो खलेगी ही और इसी पर बात पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने बड़ा बयां दें दिया है, जी हां विराट की गैरमौजूदगी को लेकर नासिर हुसैन ने कहा है की टीम को विराट की कमी खल रही है.

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ी का आगामी टेस्ट मैच में नहीं खेलना सिर्फ भारतीय टीम ही नहीं बल्कि सीरीज और विश्व क्रिकेट के लिए झटका है. हुसैन ने हालांकि भारतीय क्रिकेटर के व्यक्तिगत जिंदगी को प्राथमिकता देने का भी समर्थन किया. कोहली की उपलब्धियों और क्रिकेट में योगदान की प्रशंसा करते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि उन जैसा खिलाड़ी 15 साल तक खेल की सेवा करने के बाद अपने परिवार के साथ समय बिताने का हकदार है. पांच टेस्ट की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है. ''हां, अभी पुष्टि नहीं हुई है. ये सब अटकलें हैं, वह अगले दो टेस्ट मैच में खेलेंगे या नहीं. अगले कुछ घंटों में वे अपनी टीम घोषित करेंगे. यह अगले तीन टेस्ट मैच के लिए होगी या नहीं, कुछ भी अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह झटका होगा. यह भारत के लिए झटका होगा. यह श्रृंखला के लिए झटका होगा. यह विश्व क्रिकेट के लिए झटका होगा. यह एक विशेष श्रृंखला होने जा रही है. यह पहले ही शुरू हो चुकी है. पहले दो मैच काफी शानदार रहे.%% उन्होंने कहा, ''खेल को विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों का भी ध्यान रखने की जरूरत है. वह पिछले 15 साल से अधिक समय से अंतराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं और अगर उन्हें परिवार के साथ रहने के लिए खेल से ब्रेक की जरूरत है तो हम उन्हें शुभकामनायें देते हैं. हुसैन ने कहा, ''भले ही इस कारण हमें एंडरसन बनाम कोहली का दिलचस्प मुकाबला देखने को नहीं मिले जैसा हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है तो भी ठीक है, लेकिन कोहली और उनका परिवार और उनकी निजी जिंदगी सबसे ऊपर है हुसैन ने यह भी कहा कि कोहली की जगह लेना मुश्किल है लेकिन उन्हें केएल राहुल के अंतिम एकादश में शामिल होने की उम्मीद है जो दर्द के कारण दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाये थे. उन्होंने कहा, ''विराट कोहली खेल और किसी श्रृंखला के खेलने वाले महान बल्लेबाजों में से एक हैं.

मुझे चिंता है कि..., पूर्व कप्तान माइकल वॉन का ये बयान इंग्लैंड टीम की बढ़ा देगी टेंशन

दिल्ली। पूर्व कप्तान माइकल वॉन को चिंता है कि इंग्लैंड एक ऐसी टीम बन जाएगी जो कड़ी मेहनत करने के बावजूद ज्यादा जीत हासिल करने में नाकाम रहेगी. उन्होंने भारत में टीम की बल्लेबाजी इकाई को सफल होने के लिए आक्रामक और पारंपरिक क्रिकेट की शैली के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी. इंग्लैंड को 'बैजबॉल तरीका अपनाने के बाद से टेस्ट क्रिकेट में अच्छी सफलता मिली है. टीम को हालांकि इस रवैये के कारण कुछ अहम मुकाबलों में हार का सामना भी करना पड़ा है, जिसमें एशेज श्रृंखला के मैच भी शामिल है. इंग्लैंड ने घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली एशेज श्रृंखला को 2-2 से डॉ खेला था.

वॉन ने 'द टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, '' इंग्लैंड एक ऐसी टीम बन गयी है जिसकी बहुत अधिक आलोचना नहीं की जा सकती है क्योंकि उन्हें खेलते हुए देखना बहुत अच्छा है. हम मौजूदा टीम के खेल से बहुत प्रभावित होते हैं और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने बड़े पैमाने पर सुधार किया है. उन्होंने कहा, ' मुझे हालांकि चिंता है कि कहीं वे एक ऐसी टीम न बन जाए जो इतना शानदार करने के बाद भी अधिक मैच जीतने में सफल ना रहे. जब उन्हें एशेज श्रृंखला जीतनी चाहिए थी तब वे नहीं जीत सके और अब उन्होंने भारत को श्रृंखला में वापसी का मौका दे दिया है. यह तब हुआ जब भारतीय टीम में विराट कोहली समेत कई बड़े नाम मौजूद नहीं थे.

इंग्लैंड ने भारत में पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त ले ली थी, लेकिन बेन स्टोक्स की टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने शानदार वापसी कर जीत दर्ज की. इंग्लैंड के लिए जैक क्राउली को छोड़कर उनके सभी बल्लेबाज बड़े स्कोर बनाने में असमर्थ रहे. वॉन ने कहा, '' इंग्लैंड की टीम अगर विशाखापत्तनम जैसी बल्लेबाजी जारी रखगी तो श्रृंखला नहीं जीत पाएगा. मैं वास्तव में सोचता हूं कि बल्लेबाजों को हमारे गेंदबाजों से कुछ सीखने की जरूरत है. हमारे गेंदबाजों ने पारंपरिक और आक्रामक शैली का अच्छा मिश्रण किया है.

वॉन ने टीम बल्लेबाजों से जरूरत के मुताबिक आक्रामक रूख अपनाने की सलाह दी लेकिन युवा स्पिन गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा, '' युवा स्पिनर शानदार रहे हैं. जेम्स एंडरसन ने कमाल का प्रदर्शन किया है.

भव्य रूप से हुआ लालबाग माता मंदिर प्रांगण में मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम

राजनांदगांव (दावा)। कलियुग में तप, उपवास, व्रत, धारणा, ध्यान, समाधि कठिन है लेकिन जीते-जागते देव माता-पिता का अगर पूजन कर उनका आशीर्वाद ले लिया तो सारे कार्य सिद्ध हो गए। ऐसे दिव्य संदेश देने वाले तथा मातृ-पितृ पूजन दिवस के प्रणेता संत आशाराम बापू की संस्था महिला उत्थान मंडल, श्री योग वेदांत सेवा समिति राजनांदगांव के तत्वाधान में आज माता मंदिर प्रांगण सिंधी कॉलोनी लालबाग में बड़े हर्षोल्लास के साथ बच्चे अपने माता-पिता का पूजन कर उनको मिठाई खिलाकर, माता-पिता का आशीर्वाद लेकर मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया गया । पूजन कार्यक्रम में अतिथि रूप उपस्थित हुई नगर की महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख तथा सिंधी समाज के अध्यक्ष मन्नुमल मोटवानी, आवतराम तेजवानी, राजा मखीजा, गुरुमुख वाधवा, कौशल शर्मा आदि समाज के प्रतिष्ठित गणमान्य शामिल हुए। बच्चे माता-पिता का पूजन करते हुए भावुक हो गए सर्वप्रथम माता-पिता को आसन में बिठाकर तिलक वंदन कर प्रदक्षिणा की गयी उसके धूप-दीप से सजी थाली से आरती कर माता-पिता का आशीर्वाद पाया। पूरे विधि-विधान से पूजन किया गया। बच्चों के प्रेमभाव को देख माता-पिता गदगद हो गए। आंखों से आंसू आने लगे। भावविभोर कर देने वाला यह कार्यक्रम की सभी लोगों ने सराहना कि तथा उपस्थित अतिथियों ने आने वाले वर्ष में इस आयोजन को व्यापक स्तर में मनाने की इच्छा जाहिर की। संस्था के संजय साहू ने बताया कि पूज्य संत आशाराम बापू की पावन प्रेरणा से 18 वर्ष पूर्व 2006 से यह मातृ-पितृ पूजन दिवस की शुरुआत की गई जो वर्तमान में भारत सहित विश्व के लगभग 200 देशों में बह रही सच्चे प्रेम की गंगा। प्रतिवर्ष राजनांदगांव जिले में 1 जनवरी से मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाने की शुरुआत की जाती है जो पूरे फरवरी माह तक निरंतर हर गांव-कस्बे, सोसायटियों आदि स्थानों में यह कार्यक्रम सम्पन किये जाते है इसी कड़ी में लालबाग में भी यह आयोजन किया गया।

श्री योग वेदांत सेवा समिति के तत्वाधान में बाल संस्कार, महिला मंडल तथा युवा सेवा संघ के सेवाधारियों द्वारा जिले में अब तक तीन सौ से अधिक स्थानों में यह कार्यक्रम किये जा चूंके है तथा जिले में 14 फरवरी के दिन लगभग दो सौ से अधिक स्थानों में मातृ-पितृ पूजन करने हेतु सेवाधारियों की टीम तैयार किया जा रहा है इस तरह पांच सौ से अधिक स्थानों में यह आयोजन को करने का लक्ष्य लिया गया है। श्री योग वेदांत सेवा समिति के टीके चंद्रकार चंद्राकर व लेखराम साहू ने बताया कि जिलास्तरीय मातृ-पितृ पूजन दिवस कार्यक्रम 14 फरवरी बुधवार को वार्ड नंबर 1 बजरंगपुर नवागांव के स्कूल मैदान में किया जाएगा, जिसमें दो हजार से भी अधिक माता-पिता का सामूहिक पूजन होगा। इसकी तैयारी जोरो से चल रही है।

इसी तरह मोहला-गोटाटोला, डोंगरगांव, डोंगरगढ़, छुरिया, गंडई, खैरागढ, चौकी समिति द्वारा अपने क्षेत्रों में बड़े आयोजन की तैयारी की जा रही है। सिंधी कॉलोनी में हुए मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला उत्थान मंडल की अध्यक्ष एरिना चंद्रवंशी, शिखा डेमबानी, नीतू लहरवानी, सुषमा भोजवानी, रेशमा कटियारा, रानी कटियारा, प्रियल डेमबानी, ममता बजाज, रेखा बहन, जया जयसिंधानी, भूमि गिडलानी, खुसी धनवानी, भाविका चिचेरिया, कोमल ललवानी, सुनीता लहरवानी, सुशीला लहरवानी, अंजू गंगवानी तथा रमेश भोजवानी, राकेश ठाकुर, हरीश कटियारा, शेखर बावनकर, लोकेश भाई आदि का सहयोग रहा।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिये वार्डों में शिविर शुरु

राजनांदगांव (दावा)। नगर के सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये नगर निगम द्वारा प्रति माह पेंशन का भुगतान वार्डो में शिविर लगाकर किया जाता है। इसी कडी में हितग्राहियों को माह दिसम्बर 2023 का पेंशन भुगतान के लिये वार्डों में 25 जनवरी 2024 से 21 फरवरी 2024 तक प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 4 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 12 फरवरी को रानी जोतकुवर वार्ड नं. 50 के लिये सार्वजनिक मंच गौठान सिंगदई में व शिवनाथ वार्ड नं. 51 के लिये सामुदायिक भवन हल्दी मे, 13 फरवरी को राजीव वार्ड नं. 42 के लिये पार्षद कार्यलय राजीव नगर में, सर्किट हाउस वार्ड नं. 43 के लिये फिरंती मंदिर के पास आंगनबा भवन में व बसंतपुर वार्ड नं. 46 के लिये हनुमान मंदिर बसंतपुर में तथा 14 फरवरी को गुरूघासीदास वार्ड नं. 40 के लिये व नंदई वार्ड नं. 48 के लिये सामुदायिक भवन नंदई नाका में व झुलेलाल वार्ड नं. 41 के लिये झुलेलाल भवन इंदिरा नगर में शिविर का आयोजन किया गया है।

निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता ने सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों से वार्डों में आयोजित शिविर में प्रातः 11: 30 बजे से दोपहर 4 बजे तक उपस्थित होकर माह नवम्बर 2023 की पेंशन का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने शिविर में लगे कर्मियों से कहा कि समाजिक सुरक्षा पेंशन का कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देवे एवं कोई भी हितग्राही पेंशन लेने से वंचित न रहे, इस बात का विशेष ध्यान रखा जावे।

संस्कार सिटी में वार्षिक खेल महोत्सव का समापन

राजनांदगांव (दावा)। बच्चों के चहुंमुखी एवं व्यक्तिगत विकास के लिए खेल जरूरी है। नगर की अग्रणी शैक्षणिक संस्था संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक खेल महोत्सव का समापन हुआ। कामयाबी के समस्त आयामों को कायम रखते हुये संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने पूरे वर्ष में आयोजित होने वाली विभिन्न राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय क्रीडा प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए चयनित हुए सभी छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि श्रीमती कल्पना स्वामी (सहायक संचालक, खेल विभाग, जिला शिक्षा दुर्ग), कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती उषा चटर्जी (डी.एस.ओ, राजनांदगांव) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. गुरूप्रीत कौर छाबड़ा (प्राचार्य, संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, राजनांदगाव), डॉ.टी. वर्मा (प्राचार्य, संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, राजनांदगाव), संस्था के प्रबंधकगण अतुल देशलहरा, श्रीमती राखी देशलहरा प्राचार्या श्रीमती रेखा तिवारी ने पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा अपनी शुभकामनायें दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मंचस्थ अतिथियों का आत्मीय स्वागत स्कूल प्रबंधन व छात्र पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर किया। इस अवसर पर बच्चों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी। अतिथियों द्वारा खेल उत्सव का शुभारंभ मशाल प्रज्जवलन एवं रंगबिरंगे गुब्बारे उड़ाकर किया गया। इसके पश्चात् पूर्ण अनुशासन का परिचय देते हुए सत्य, धर्म, विनय व धैर्य सदन के विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्चपास्ट करते हुए अतिथियों को सलामी दी। प्राचार्या रेखा तिवारी ने स्वागत भाषण देते हुए शाला की खेल संबंधित उपलब्धि की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम व व्यायाम की प्रस्तुति दी। इसके पश्चात् मंचस्थ अतिथियों ने संस्था की उन खेल प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जिन्होंने सत्र 2023-24 में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर संस्था एवं क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। बेस्ट हाउस का अवार्ड ग्रीन हाउस (धैर्य) को अतिथियों द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

आज संत शिरोमणि सेन धाम रायपुर में प्रदेश स्तरीय सेन युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। आज दिनांक 10 फरवरी दिन शनिवार को बिरगांव संत शिरोमणि सेन धाम रायपुर में प्रदेश स्तरीय सेन युवक युवती परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह कार्यक्रम तथा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया है, जिसमें विशेष रूप से सेन समाज के गौरव वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र से युवा एवं उर्जावान विधायक रिकेश सेन का सम्मान किया जायेगा साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं अन्य मंत्री विधायकगणों तथा सेन समाज प्रदेश पदाधिकारियों का सम्मान किया जायेगा। इस अवसर पर जिला सेन समाज के संयोजक एवं सांसद प्रतिनिधि राजनांदगांव देवशरण सेन ने जिले से अधिक से अधिक स्वजातीय सेन समाज बन्धुओं से रायपुर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

किसान, मजदूर, युवा महिलाओं व उद्योग, शिक्षा सड़क, स्वास्थ्य के लिए लाजवाब बजट - राजेश गुप्ता

राजनांदगांव (दावा)। जिला भाजपा शिक्षा एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी राजेश गुप्ता अग्रहरि ने छत्तीसगढ़ के भाजपा सरकार का पहला बजट की सराहना करते हुए कहा कि कांग्रेस की पराभव के बाद वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने प्रदेश के गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिलाए व सभी वर्गों की चिंता करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पालनहारी बजट प्रस्तुत किया है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, उर्जा सभी का ध्यान रखा गया है। श्री अग्रहरि ने पिछली कांग्रेस सरकार की तुलना में 20 प्रतिशत वृद्धि वाला छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार के इस बजट में कोई नया कर का प्रस्ताव न कर तथा करों में वृद्धि न कर सभी वर्ग के लोगों को राहत पहुंचाया है। वित्त मंत्री श्री चौधरी की पेपरलेस बजट में राजनांदगांव जिले के धर्मनगरी डोंगरगढ़ को पायलट प्रोजेक्ट में शामिल किया है और शक्तिपीठ उन्नयन के क्षेत्र में जोड़ा है। प्रदेश में 596 पदों पर डाटा एंट्री ऑपरेटर की व्यवस्था के प्रस्ताव की है। कम्प्यूटर प्रणाली से भवन निर्माण, सिटी डेवलपमेंट हेतु 10 करोड़, इलेक्ट्रिक वाहन हेतु 703 करोड़ का प्रावधान कर हरियर योजना को बढ़ावा देने की व्यवस्था की है।

शिक्षित प्रदेश विकसित प्रदेश की भावना को लेकर वित्त मंत्री ने शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा, छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान को बढ़ावा, संगीत महाविद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र खोले जाने सहित किसानों को 5 एचपी तक निःशुल्क बिजली व 400 यूनिट तक मुफ्त बिजली तथा 60 करोड़ रुपए से किसान वृक्ष मित्र योजना। एक हजार करोड़ से कैम्प योजना, राजनांदगांव में साइबर पुलिस की स्थापना, पुलिस को अपने थाना क्षेत्र में रहने की व्यवस्था, श्रमेव जयते पोर्टल योजना इस बजट की विशेषता है। यही नहीं महिलाओं को एक हजार 400 करोड़ की पेंशन योजना व 30 करोड़ 50 लाख से शहरी स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन। भूमिहर किसान, मजदूर, दिव्यांगजनों को दिनदयाल उपाध्याय योजना से उपकृत करने व युवाओं के लिए इन्वेंटर छत्तीसगढ़ प्रारंभ किया जाना, राज्य के अस्पतालों को गुणवत्ता युक्त बनाने 12 करोड़ का प्रावधान ने उद्योग को बढ़ावा देने इंडस्ट्रियल कारीडोर का विकास, नई उद्योग नीति जारी किए जाने का प्रस्ताव लाया गया है। श्री अग्रहरि ने कहा कि राजनांदगांव के लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष के क्षेत्र के मेडिकल कालेज हास्पीटल-पेंड्री में ट्रामा सेंटर, कटघोरा से डोंगरगढ़ तक रेल लाइन का विस्तार कर छत्तीसगढ़ क्षेत्र की सर्वांगीण विकास के लिए द्वार खोला गया है, जो निश्चय ही प्रशंसनीय-सराहनीय और लाजवाब तथा सर्वजन हितकारी व परोपकारी बजट है।

विदेश व्यापार एवं निर्यात संवर्धन हेतु 15 फरवरी को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बालोद (दावा)। बालोद जिले में निर्यात संबंधी गतिविधियों के बेहतर कियान्वयन हेतु डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड एण्ड डेवलपमेंट कमिश्नर (डीजीएफटी) नागपुर द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में 15 फरवरी को सुबह 11 बजे एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने बताया कि कार्यशाला में सभी उद्योगपति, व्यापारी, स्व सहायता समूह, कृषक उत्पादक संगठन और कंपनी (एफपीओ या एफपीसी), सहकारी संस्थाएं और इच्छुक व्यक्ति सम्मिलित होकर आयात-निर्यात संबंधी भारत शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही कार्यशाला में कृषि, उद्यानिकी, वन, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग मंत्रालय, बैंक शाखाओं के शाखा प्रबंधक, नाबार्ड के अधिकारियों द्वारा भी जानकारी प्रदान की जाएगी। इस कार्यशाला में निर्यात संवर्धन संबंधी सभी बिन्दुओं जैसे डीजीएफटी की योजनाएँ, आईईसी कार्यप्रणाली तथा एमएसएमई, बैंक, डाक विभाग द्वारा सुविधाओं आदि की जानकारी प्रदान की जाएगी।

कलेक्टर ने ग्राम बैहाकुआँ में तालाब निर्माण कार्य का लिया जायजा

बालोद (दावा)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम बैहाकुआँ में पहुँचकर वहाँ महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत बन रहे तालाब के निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान श्री चन्द्रवाल ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से निर्माण कार्य के प्रगति के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि तालाब निर्माण हेतु वर्तमान में कुल 122 मजदूर कार्य कर रहे हैं। इस दौरान कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने मस्टर रोल, डिमाण्ड लेटर, मजदूरों की उपस्थिति आदि की रेण्डम जाँच की। इस मौके पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मस्टर रोल, डिमाण्ड लेटर आदि की जाँच की

विधानसभा सत्र में खुज्जी विधायक ने आपदा क्षतिपूर्ति राशि की रखी मांग

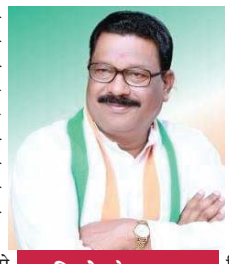

खुज्जी (दावा)। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक भोलाराम साहू ने विधानसभा सत्र में राजनांदगांव जिले में सड़क दुर्घटना, तालाब में डूबने से, कीट प्रकोप से एवं अन्य आपदाओं के बारे में विधानसभा सत्र में कहा कि वर्ष 2021-22 से 31 दिसंबर 2023 तक का जवाब में दिया है कि इसमें 258 व्यक्तियों के परिजनों को क्षतिपूर्ति की राशि अभी तक लंबित है आप यह बता दीजिए कि इस लंबित प्रकरण का जिम्मेदार कौन है? और आप इस पर क्या कार्रवाई करेंगे, प्रकरण आज तक तैयार नहीं किया गया है क्या इसकी कोई समय सीमा है। खुज्जी विधायक भोलाराम साहू के मांगों पर जवाब देते हुए कहा कि अध्यक्ष महोदय 258 व्यक्ति जिनका अभी क्षतिपूर्ति की राशि नहीं दी गई है इसको शीघ्र ही दे दिया जाएगा. यह मांग पत्र सामान्य प्रशासन विभाग को भेजा गया है जैसे ही राशि आएगी उनको क्षतिपूर्ति राशि मिल जाएगी।

जिले के 258 व्यक्ति को नहीं मिल पाया क्षतिपूर्ति राशि

कलेक्टर ने किया मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण

बालोद (दावा)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज डौण्डी लोहारा विकासखण्ड के ग्राम गुरामी से कामता तक मुख्यमंत्री सड़क योजना के नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कार्य के प्रगति के संबंध में जानकारी ली तथा निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तायुक्त ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि मुख्य मार्ग गुरामी से ग्राम कामता तक 2.05 कि.मी. मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के मार्ग का नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में डामरीकरण का कार्य जारी है। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से मोटाई मापक यंत्र से सड़क की मोटाई नापकर दिखाने को कहा। अधिकारियों के द्वारा सड़क की मोटाई मापे जाने पर मोटाई सही पाया गया। इस दौरान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्यलापन अभियंता गणेशराम पवार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विजय करण मारोटी के निधन के पश्चात नेत्रदान, मारोटी परिवार कि ओर से तीसरा नेत्रदान

दुर्ग (दावा)। शहर के प्रतिष्ठित व्यवसाई विजय करण मारोटी के निधन के पश्चात मारोटी परिवार ने नेत्रदान कर दो लोगों को नेत्र ज्योति प्रदान करने में सहयोग किया विजय करण मारोटी के निधन के पश्चात पत्नी कंचन देवी पुत्र धर्मेंद्र मारोटी, प्रदीप मारोटी व बहु नीतू मारोटी ने नेत्रदान का निर्णय लिया और नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य कुलवंत सिंह भाटिया, राज आढ़तिया, रितेश जैन, चेतन जैन, मंगल अग्रवाल, हरमन दुलई के सहयोग से नेत्रदान सम्पन्न हुआ श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के डॉ. पुष्पेंद्र लहरे ने कॉर्निया कलेक्ट किये व् मारोटी परिवार को साधुवाद दिया।

धर्मेंद्र मारोटी ने कहा आज पिता के जाने के बाद पुरे परिवार में शोक है एवं सब सदमे में हैं ऐसे में बाबूजी के नेत्रदान से परिवार को हौंसला मिलेगा व इस दुःख को सहने की शक्ति मिलेगी प्रदीप मारोटी ने कहा इस से पहले भी मारोटी परिवार की ओर से दो नेत्रदान हो चुके हैं व अब बाबूजी के नेत्रदान सम्पन्न होने से हमारे परिवार के माध्यम से छह लोगों को नई रौशनी मिल सकी इस से हमारी आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य राज आढ़तिया ने कहा मारोटी परिवार ने तीसरा नेत्रदान कर सन्देश दिया कि मारोटी परिवार सदा ही मानवता व समाज के हित हेतु समर्पित रहता है मारोटी परिवार के नेत्रदान के निर्णय से समाज में नेत्रदान हेतु जागरूकता बढ़ेगी एवं जरुरत मंद लोगों को लाभ मिलेगा नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार, कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी, मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई, रितेश जैन, जितेंद्र हासवानी, मंगल अग्रवाल, किरण भंडारी, उज्जवल पींचा, सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, राजेश पारख, पीयूष मालवीय, दीपक बंसल, विकास जायसवाल, मुकेश राठी, प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ, सपन जैन, यतीन्द्र चावड़ा, जितेंद्र कारिया, बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख, मोहित अग्रवाल, चेतन जैन, दयाराम टांक ने विजय करण मारोटी को श्रद्धांजलि दी व मारोटी परिवार को साधुवाद दिया।

अग्रणी दिग्विजय अंतर्गत गायत्री विद्यालय में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की दी गई जानकारी

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के प्रभारी प्राध्यापक डॉ.सोनल मिश्रा के कुशल निर्देशन में विस्तार गतिविधि एवं अग्रणी दिग्विजय कार्यक्रम के तहत गायत्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनांदगांव में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय

पर व्याख्यान दिया गया।

दिग्विजय महाविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के अतिथि व्याख्याता कु. प्रगति नोन्हारे एवं श्वेता वर्मा द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों, मूल आधारों एवं इसके महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान में 11 वी एवं 12वी के छात्र-छात्राओं को जागरूक एवं प्रोत्साहित किया गया।

इस कार्यक्रम में बताया गया कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति बहुविषयक समग्र शिक्षा प्रणाली है जिसमें कोर कोर्सेस के साथ साथ एबिलिटी एनहान्समेंट कोर्सेस, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेस, वैल्यू एडेड कोर्सेज, वैकल्पिक विषयों की जानकारी दी गई और शास. दिग्विजय महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई। इस व्याख्यान में गायत्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनादगांव के प्राचार्य श्रीमती पिंकी खंडेलवाल एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में गायत्री स्कूल की प्राचार्य को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में 11वीं, 12वीं के छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए तथा कार्यक्रम को संचालित करने में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सहयोग दिया।

गौतस्करों को रोकना पड़ा महंगा, पुलिस जवान को गाड़ी से कुचलकर भागे तस्कर, जवान की मौत

राजनांदगांव (दावा)। इन दिनों एसपी मोहित गर्ग के निर्देशन में जिले में अवैध शराब तस्करी सहित मवेशी तस्करों की धर-पकड़ जारी है। बीती रात ढाई से तीन बजे के बीच बागनदी थाना के ठीक सामने नाकाबंदी कर मवेशी तस्करों की धर-पकड़ करने में जुटे एक सिपाही मवेशी तस्करों ने अपनी गाड़ी से रौंद कर हत्या करने की कोशिश की। गनीमत है कि बुरी तरह जख्मी हुए सिपाही को तत्काल उपचार सुविधा उपलब्ध करवा कर उसकी जान बचाने का पूरा प्रयास किया गया। लेकिन महाराष्ट्र के देवरी स्थित हास्पिटल में उपचार के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका। नेशनल हाइवे क्षेत्र में घटी इस घटना से पुलिस महकमे में खलबली मच गई है तथा उनमें तस्करों के इस तरह जुर्रत के लिए रोष कायम है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बागनदी थाने में पदस्थ शिवचरण मंडावी थाना के सामने तीन जवानों के साथ मवेशी भरे वाहन गुजरने की खबर के चलते चेक पोस्ट में तैनात थे। इसी दौरान रात में तीन बजे पिकअप वाहन को आरक्षक ने रोकने की

कोशिश की लेकिन चालक ने सीधे जवान के उपर ही गाड़ी चढ़ाकर उसे रौंदने की कोशिश की उसे जख्मी हालत में उपचार हेतु देवरी हास्पिटल ले जाया गया। लेकिन उसने वहां दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जवान को 100 मीटर तक घसीटते हुए मरणासन्न अवस्था में छोड़ उक्त वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त वाहन में गौतस्करों द्वारा गौवंश को ले जा रहा थे। बागनदी पुलिस मामले की विवेचना में लगी है। इतनी बड़ी घटना होने नेशनल हाइवे में रात्रि गस्त और जांच-पड़ताल करने वाले जवानों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए है। बताया जा रहा है कि दोषी चालक को पकड़ने आपरेशन चलाया जा रहा है।

नई सड़कों व 349 पुलों के निर्माण से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार, आदिवासी इलाकों में बढ़ेगी कनेक्टिविटी

रायपुर। अधोसंरचना विकास की दृष्टि से भी विशेषज्ञ बजट को विकासोन्मुखी बता रहे हैं। इस एक साल में 1690 नए निर्माण प्रस्तावित किए गए हैं। इसमें नई सड़कों से लेकर वृहद एवं मध्यम पुल, भवन या फिर गेस्ट हाउस भी शामिल किए गए हैं। वहीं, राजमार्ग से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों, जिले की मुख्य सड़कों, अनुसूचित क्षेत्रों की सड़कें, शहरी क्षेत्रों की सड़कों से लेकर रेलवे ओवरब्रिज और बड़े से लेकर छोटे पुल भी प्रस्तावित हैं।

इनकी सहायता से प्रदेश की आर्थिकी को तो फायदा होगा ही। साथ ही लोगों को यहां से वहां यात्रा करने में भी आसानी होगी। सर्वाधिक राशि ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों के लिए रखी गई है। इसमें लगभग 747 करोड़ रुपये की राशि खर्च कर सड़कें बनवाने से लेकर इनका मेंटेनेंस करवाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा एशियन बैंक, केंद्रीय सड़क निधि की सहायता से भी सड़कों का निर्माण व मरम्मत करवाया जाएगा। इससे अंततः प्रदेश की अर्थव्यवस्था को ही गति मिलेगी।

रेलवे ओवरब्रिज से बचेगा समय

शासन की ओर से रेलवे सड़कों के बीच से जा रही रेलवे लाइन से लोगों को दुर्घटना से बचाने के साथ ही समय बचाने के लिए भी प्रविधान किया है। इसके तहत प्रदेशभर में लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे ओवर ब्रिज बनाने की व्यवस्था बनाई गई है। वहीं, 18 रेलवे ओवर ब्रिज के लिए भी अलग से 27 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है।

ट्राइबल व अंचलों में बढ़ेगी कनेक्टिविटी

नई सड़कों से लेकर सड़कों की मरम्मत के लिए रखे गए प्रविधानों की सहायता से ट्राइबल क्षेत्रों, अबूझमाड़ सहित सुदूर अंचलों में लोगों को सुगम यातायात से लेकर कनेक्टिविटी बढ़ेगी और आर्थिक गति भी मिलेगी। वहीं, सीजीआरआइडीसीएल (छत्तीसगढ़ रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड) की ओर से 1080 करोड़ रुपये में सड़कों का निर्माण करवाया जाएगा। साथ ही एशियन डेवलपमेंट बैंक की सहायता से 542 करोड़ रुपये में सड़कों का निर्माण व मरम्मत, केंद्रीय सड़क निधि से 300 करोड़ का काम करवाया जाएगा।

अधोसंरचना के लिए 3755 करोड़

अधोसंरचना विकास के लिए कुल मिलाकर इस बजट में 3755 करोड़ रुपये का प्रविधान रखा गया है। इसमें पुल से लेकर सड़कों का निर्माण, मरम्मत व अन्य ढांचागत विकास के कार्य शामिल हैं। वहीं, सालभर में इन सभी कार्यों के पूरे होने से कनेक्टिविटी से लेकर अन्य सभी प्रकार की सुविधाएं भी लोगों तक पहुंचाई जा सकेंगी।

सुरगी पुलिस ने मानसिक रुप से विक्षिप्त महिला को परिजनों के किया सुपुर्द

राजनांदगांव (दावा)। सुरगी चौकी की पुलिस ने एक मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया है।

बताया जाता है कि शुक्रवार आज दिनांक 8 फरवरी की रात करीबन 8 बजे पुलिस चौकी सुरगी क्षेत्र अंतर्गत राजाराम मेज फैक्ट्री भोथीपार के पास एक मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला होने की सूचना पुलिस को मिली। इस पर तत्काल चौकी प्रभारी सुरगी निरीक्षक पुरुषोत्तम ध्रुव मौके पर महिला स्टाफ के साथ रवाना हुआ, जहां मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला से पूछताछ करने पर अपनी टूटी-फूटी भाषा में अपना नाम सुशीला बाई एवं थाना घुमका क्षेत्र के ग्राम हरडुआ गांव की रहने वाली बताई। मामला महिला संबंधी होने से पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग को तत्काल इसकी सूचना दी गई। तत्पश्चात् उनके दिशा निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन में थाना घुमका से संपर्क कर उनके परिजनों का तस्दीक किया गया एवं सकुशल महिला स्टाफ के साथ उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक पुरुषोत्तम ध्रुव, सहायक उप. निरीक्षक हेमंत कुमार बोरकर, महिला आरक्षक सरिता नेताम एवं आरक्षक चंद्रकांत यादव की भूमिका सराहनीय रही।

नतमस्तक हुए अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष रामजी भारती

डोंगरगढ़ (दावा)। भाजपा प्रदेश महामंत्री का दायित्व मिलने के बाद अपने प्रथम प्रवास पर डोंगरगढ़ विधानसभा के विभिन्न ग्रामों में पहुंचे रामजी भारती का आमजनों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इसी कड़ी में श्री भारती शहर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पूजा अर्चना कर सामाजिकजनों से विस्तृत चर्चा की। श्री भारती के बौद्ध विहार पहुंचने पर सामाजिकगणों ने भव्य स्वागत किया।

बौद्ध समाज के अनुयायियों को संबोधित करते हुए श्री भारती ने कहा कि आज मैं जो भी हूं डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान में दी गई शक्तियों के बदौलत हूं। शासकीय सेवा में सेवारत सामाजिक बंधुओं की

० सामाजिक कर्मचारी निश्चित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, सरकार पूर्ण संरक्षण देगी - रामजी
० बुद्ध विहार पहुंचे रामजी भारती का भव्य स्वागत किया सामाजिक गणों ने

पीड़ा से अवगत होने के पश्चात श्री भारती ने समाज के सभी आदरणीय बंधुओं से कहा की, मैं आप सभी को पूर्ण रूप से आश्वस्त करता हूं कि आप शासकीय सेवा के दौरान निश्चिंत होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। शासन-प्रशासन की ओर से नियमानुसार आप सभी को पूर्ण संरक्षण दिया जाएगा। इस दौरान श्री भारती के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता शशिकांत द्विवेदी, अमित जैन, महिला मोर्चा शहर अध्यक्ष श्रीमति सविता दरगढ़, रवि अग्रवाल, सुनिल जैन, अमित छाबड़ा, महेन्द्र अग्रवाल, लक्ष्मी यादव, श्रीमति अनिता लोकेश इंदुरकर, श्याम तिवारी, अचला ठाकुर, सुमन पंडिय, सुलभा सिंग, उमरावती शाह, कृष्णा श्रीवास्तव जया राव, लक्ष्मी परमार प्रमिला बडमे, माया प्रवीणा, डा. मुन्ना लाल नंदेश्वर, निर्भयदास, अनिल सहारे, धर्माशीक गीडाने, प्रभुलाल बोदलकर, सिद्धार्थ नागदेवे, अमिताभ दूफारे, योगेश सराजरे, बंशीलाल सहारे, महिला महिला मंडल बिंदु अंबादे,रेखा सहारे ,चादनी सहारे, जयतुरा टेम्फुरकर, कमल नंदेश्वर, पंचशीला सहारे मुन्नी, पविता साखरे, कला टेंभुरकर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आवास योजना को निरस्त करवाने वाले व्यक्ति के खिलाफ थाने में शिकायत

खैरागढ़ (दावा)। केसीजी जिले के गंडई थाने में बीरपुर कला निवासी लेखराम साहू पिता राधेश्याम साहू के भाई हेमंत साहू ने ग्राम के ही एक व्यक्ति पर उसके भाई के आवास योजना को निरस्त करने व उसे प्रताड़ित की शिकायत की है तथा उस पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस को उसने बताया कि वह बीरनपुर कला का रहने वाला है। उसका भाई और वह खेती किसानी और मजदूरी का कार्य कर जीवन यापन करता है।

मेरे ग्राम पंचायत में मेरी स्वयं की भूमि के लिए मेरे द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आवास योजना के लिए फार्म भरा गया है जिसके बाद प्रशासन के द्वारा स्वीकृति करते हुवे मुझे प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए अनुज्ञा दिया गया था साथ ही मेरा पहला क्रिस्त 25,000 रू आया था। जिसके बाद मेरे द्वारा आवास योजना के तहत मकान बनाने की तैयारी करते हुवे छड़ सीमेंट गिट्टी रेती कुछ पैसे नगद और उधारी में लिया गया था उसके कुछ दिन बाद अचानक मेरा बैक खाता सीज हो गया जिसके बाद मेरे द्वारा बैंक पंचायत एवं जनपद ऑफिस में पता किया गया तब किसी व्यक्ति के द्वारा शिकायत के आधार पर मेरा आवास योजना निरस्त करवाने की मनसा से शिकायत किया गया है मौखिक जानकारी लेने पर मुझे कुछ बताया नहीं जा रहा था, जिसके बाद मेरे द्वारा नियम के तहत आरटीआई के माध्यम से आवेदन कर शिकायत की प्रमाणित कॉपी मांगा गया जो मुझे छुईखदान जनपद पंचायत से दिनांक 30 जनवरी को मिला। जिसमें गांव के ही व्यक्ति रमेश साहू क्षेत्र के जनपद सदस्य व सभापति के द्वारा लिखित शिकायत करने की जानकारी दर्शाया गया है जिसके बाद से मुझे मानसिक आर्थिक चोट पहुँचा है जो व्यक्ति रमेश साहू के द्वारा मुझे परेशान करने व्यक्तिगत दुश्मनी सहित मुझे आर्थिक क्षति पहुँचाने केंद्र सरकार के योजनाओं से वंचित करने की मंशा से प्रताड़ित किया जा रहा एवं अपने राजनीतिक पहुँच पद पावर का गलत इस्तेमाल कर खेती मजदूरी करने वाले के साथ इस प्रकार द्वेष भाव रखकर जो शिकायत किया गया है। जिसके कारण मैं और मेरा पूरा परिवार परेशान एवं आर्थिक और मानसिक रूप से भी परेशान हो गए है।

प्रार्थी लेखराम ने इस शिकायत के आधार पर रमेश साहू के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने व ऐसे व्यक्ति को पद का गलत इस्तेमाल करने के जुर्म में मामला दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग की है।

कर्ज मुक्त राज्य बनाने की दिशा में साय सरकार का पहला बजट

दूरदृष्टि से बनाया गया बजट

कैट के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र डागा, संजय तेजवानी, अमित खंडेलवाल आदि ने छत्तीसगढ़ बजट 2024 पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि साय सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत यह बजट निश्चित रूप से दूरदृष्टि से बनाया गया बजट है। इसके दूरगामी व सकारात्मक परिणाम होंगे। कैट अध्यक्ष श्री डागा ने कहा कि कृषि अधो संरचना शिक्षा तकनीकि एवं युवा व महिलाओं पर विशेष फोकस वाला यह बजट 10 आधार स्तंभों के साथ विकासशील राज्य से विकसित राज्यों की ओर अग्रसर होने वाला है। हर वर्ग के व हर क्षेत्र के लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गये बजट में मोदी जी की गारंटी ध्वनित होती है वही प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन की झलक भी देखने को मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों में खड़ा करने वाला बजट-भरत वर्मा

बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा ने कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ के विकास को एक नई रफ्तार देगा यह छत्तीसगढ़ के लोगों के सपनों को साकार करने वाला बजट है । यह बजट केवल राशियों का आवंटन नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ के विकास का एक रोड मैप है जिससे छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में खड़ा हो सकेगा। श्री भरत वर्मा ने कहा छत्तीसगढ़ के विकास में टेक्नोलॉजी का उपयोग,बच्चो की पढ़ाई के लिए नालंदा परिसर जैसे नए 22 संस्थान,160 आईटीआई का उन्नयन, छत्तीसगढ़ प्रोद्योगिकी संस्थान, बस्तर वि. वि में नवीन शिक्षणविभाग,सूरजपुर,गरियाबंद, कोंडागांव,सुकमा ,बलरामपुर में जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना , साइंस सिटी ,एस्ट्रो पार्क,जशपुर में एग्रो बिजनेस कॉलेज छत्तीसगढ़िया क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना, गोंडी भाषा के प्रोत्साहन हेतु सॉफ्टवेयर निर्माण सहित कई ऐसे प्रावधान बजट में है जो छत्तीसगढ़ के विकास को तेज गति देंगे।

बजट के क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया साबित होगा - रमेश पटेल

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रमेश पटेल ने छत्तीसगढ़ साय सरकार के प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रस्तुत बजट से छत्तीसगढ़ विकास की ऊंचाइयों को छुएगा और छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया सिर्फ नारा नही बल्कि यथार्थ में बजट के सफल क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य बनेगा।

श्री पटेल ने कहा कि प्रस्तुत बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना का सर्वाधिक ध्यान रखा गया है दूसरा महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं के आर्थिक उत्थान की ओर जोर दिया गया है जिसके तहत महतारी वंदना योजना के तहत प्रत्येक महिला को 1000 प्रति महा देने का वायदा को अमलीजामा पहनाते हुए योजना के लिए बजट में 3000 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। साथ ही रामलला दर्शन के लिए 35 करोड रुपए का प्रावधान रखा गया है दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत भूमिहीन मजदूरों के लिए 10,000 प्रति वर्ष देने का बजट में प्रावधान किया गया है। मोदी की गारंटी का विशेष ध्यान बजट में रखा गया है,नल जल योजना के लिए भी बजट में विशेष प्रावधान किया गया है साथ ही कृषि पंप के लिए मुफ्त बिजली का प्रावधान भी किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए 841 करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया है हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए 3952 करोड रुपए का प्रावधान बजट में किया गया है। जल जीवन मिशन के लिए 4500 करोड रुपए का प्रावधान बजट में किया गया है । मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना के लिए 3400 करोड़ रुपए का प्रावधान बजट में शामिल किया गया है।

युवाओं में विशेष उत्साह- युवा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ उधम क्रांति योजना लाई गई है, जिससे युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। जिलाध्यक्ष रमेश पटेल ने कहा कि आदिवासियों के लिए चरण पादुका वितरण का कार्य 35 करोड रुपए से किया जाएगा, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, नोनी सुरक्षा योजना, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के साथ-साथ कृषि के क्षेत्र में भी अधोसंरचना के कार्य बजट में शामिल किए गए हैं। रमेश पटेल ने कहा कि कुल मिलाकर बजट के सफल क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया मुहावरा पूरे देश में यथार्थ साबित होगा।

सोने में सुगंध करने वाला बजट - मो. इरफान शेख

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद इरफान शेख ने छत्तीसगढ़ 2024-25 के वार्षिक बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा पेश किया साय सरकार का बजट सोने में सुगंध पैदा करने वाला है। इस बजट को पेश करने से पहले की केंद्र के नरेंद्र मोदी सरकार की विकसित भारत का संकल्प ध्यान में रखकर सबके हित को शामिल करते हुए बनाया गया है। श्री शेख ने आगे कहा कि 14 विकासखंड में नवीन नर्सरी की स्थापना, सिंचाई परियोजनाओं के लिए 300 करोड रुपए का प्रावधान, केलो परियोजना के तहत रायगढ़ में सिंचाई परियोजनाओं को गति देने के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान, सिंचाई बांधों के लिए 72 करोड़ रुपए का प्रावधान, सिंचाई के लिए रकबे के विस्तार के लिए 3000 करोड़ रुपए राशि का प्रावधान, 10 करोड़ से अधिक के 156 कार्यों के लिए प्रावधान, केलो परियोजना के नहर निर्माण कार्य 100 करोड़ से पूरा किया जाएगा। राज्य जल केंद्र की स्थापना के लिए 1 करोड़ का प्रावधान, सिंचाई बांधो की सुरक्षा के लिए 72 करोड़ रुपए का प्रावधान, स्व सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को रोजगार देने के लिए 561 करोड रुपए का प्रावधान, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अंतर्गत 70 हजार 539 करोड़ का प्रावधान, 70 प्रतिशत वृद्धि, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार हेतु 2887 करोड़ का प्रावधान, सड़कों के लिए 841 करोड़ का प्रावधान, कचरा प्रबंधन की योजनाओं के लिए 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

बजट के नाम पर जनता से ठगी, विश्वासघात- कमलजीत सिंह पिंटू

विष्णुदेव साय सरकार के द्वारा प्रस्तुत पहले बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कमलजीत सिंह पिंटू ने कहा है कि बजट से साय सरकार का जन विरोधी षड्यंत्र एक बार फिर उजागर हुआ है। इस बजट में ना कोई नया कार्यक्रम है न ही कोई विजन, बल्कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को सतत जारी रखने में साय सरकार संसय की स्थिति में नजर आ रही है। आम जनता के हित से भारतीय जनता पार्टी का कोई सरोकार नहीं है।

जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कमलजीत सिंह पिंटू ने कहा है कि साय सरकार के वित्त मंत्री ने एक तरफ कर्ज को लेकर पूर्ववर्ती सरकार पर अनर्गल आरोप लगाए दूसरी तरफ कुल कर्ज आरबीआई द्वारा एफआरबीएम एक्ट के तहत तय सीमा के भीतर रखने के पूर्ववर्ती सरकार की उपलब्धियों पर अपनी पीठ खुद ही थपथाये, झूठा श्रेय लेने का कुत्सित प्रयास किया। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने अपने 5 वर्ष के कार्यकाल के दौरान प्रदेश की जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया गया था और न ही किसी भी तरीके से करो में कोई वृद्धि की गई, बल्कि जनता को मिलने वाले राहत और सब्सिडी सतत जारी रहा। कांग्रेस की सरकार ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान छत्तीसगढ़ की जीडीपी को 2 लाख 77 हजार से बढ़ाकर 5 लाख नौ हजार तक अर्थात दोगुना पहुंचाया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने अपने वित्तिय अनुशासन और कुशल प्रबंधन से छत्तीसगढ़ को देश के उन पांच राज्यों में शामिल किया था, जिसने विगत 3 वर्षों से कोई नया कर्ज नहीं लिया था, लेकिन विष्णुदेव की सरकार आते ही पिछले 2 महीने में चार-चार बार कर्ज लिया गया। विगत एक माह के दौरान ही साय सरकार ने 5 हजार करोड़ का नया कर्ज लिया है और इस बजट में फिर से लगभग 20 हज़ार करोड़ का नया कर्ज लेने का प्रावधान भाजपा के वित्तीय कुप्रबंधन और अनर्थशास्त्र का प्रमाण है।

जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कमलजीत सिंह पिंटू ने कहा है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पिछले बजट में शिक्षा पर कुल बजट का 19.4 प्रतिशत खर्च किया गया था, जो इस बजट में घटाकर मात्र 15.95 प्रतिशत कर दिया गया है। कृषि के क्षेत्र में कुल बजट पिछले बजट में कुल बजट प्रावधान का 16.6 प्रतिशत था, जो इस बार घटाकर 14.05 प्रतिशत कर दिया गया है। इस तरह कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार कृषि का बजट पिछले वर्ष की तुलना में लगभग ढाई परसेंट घटा दिया गया है। शिक्षा के बजट में 4 प्रतिशत की भारी भरकम कटौती भारतीय जनता पार्टी की बदनीयती को प्रमाणित करता है।

सर्वांगीण विकास वाला बजट - मोरजध्वज देवांगन

भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता मोरजध्वज देवांगन नहीं छत्तीसगढ़ 2024-25 के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की पहली बजट जिसे वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पेश किया है। वह छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इस बजट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प को साकार करने में छत्तीसगढ़ में मिल का पत्थर साबित होगी। बजट में सभी वर्गों का और सभी तरह की समस्याओं का ध्यान रखा गया है। कचरा प्रबंधन की योजनाओं के लिए 400 करोड़ प्रावधान स्वच्छ भारत अभियान को क्रियाशील बनाए रखने में मदद मिलेगी। सड़कों के लिए 441 करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के लिए 2887 करोड़ पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अंतर्गत 70 करोड़ से ज्यादा योजनाएं लाई गई है जो भारत को विकसित बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ में बहुत बढ़िया पहल है। श्री देवांगन आगे कहा कि किसानों के लिए सिंचाई योजनाएं कृषि अनुसंधान केंद्र युवाओं के लिए छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना सहित और भी कई तरह की योजनाएं आई है।

बजट ने उम्मीदों को नए पंख दिए हैं - प्रतीक्षा भंडारी

जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतीक्षा सूर्यकांत भंडारी ने वित्तमंत्री ओपी चौधरी द्वारा पेश किए गए बजट को सराहा है। उन्होंने कहा कि-इस बजट में मोदी की गारंटी आकार ले रही है और विकास साकार होता दिख रहा है। अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने उम्मीदों को नए पंख दिए हैं। उन्होंने कहा कि-अमृतकाल = छत्तीसगढ़ विजन 2047 का लक्ष्य बजट में समावेशित है। इसे पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। इसके लिए पांच साल तक मुफ्त खाद्यान्न, महतारी वंदन योजना, भूमिहीन कृषक परिवारों को आर्थिक सहायता जैसी योजनाओं से प्रदेश के लाखों लोगों को बड़ा फायदा मिलेगा। राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज को ट्रामा सेंटर की सौगात देकर वर्षों पुरानी मांग पूरी की गई है। आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था इससे सुदृढ़ होगी। सायबर थाने की स्थापना भी स्वागत योग्य है। कुल मिलाकर सभी सर्वाहारी वर्ग के लिए ये बजट कई सौगातें लेकर आया। आने वाले दिनों में इसके अच्छे परिणाम मिलेंगे।

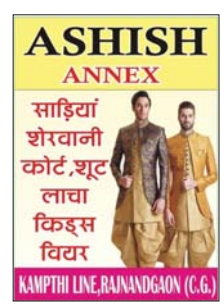

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com